कोटद्वार, गुरूवार
15 मई 2025
वर्षः 47
अंकः 24 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

खाई में गिरी मोटर साइकिल, युवक की मौत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पर्वतीय क्षेत्रों में सड़क दुर्घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही। बुधवार को घुमाकोट-हल्दुखाता के मध्य कांडीखाल के समीप एक मोटर साइकिल अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना में मोटर साइकिल चला रहे युवक की मौत हो गई।

बुधवार सुबह ग्राम बेलम निवासी महिपाल सिंह 35 वर्ष पुत्र ठाकुर सिंह मोटर साइकिल में सवार होकर नैनीडाडा से हल्दुखाला की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कांडीखाल के समीप उनकी मोटर साइकिल अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने घायल महिपाल सिंह को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नैनीडांडा पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, ग्रामीणों ने घटना को लेकर लोक निर्माण विभाग की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। कहा कि घुमाकोट से हल्दुखाता को जाने वाली सड़क के किनारे गहरी खाई है। लोक निर्माण विभाग ने खानापूर्ति के लिए क्रैश बैरियर तो लगाए हैं। लेकिन, जिन स्थानों पर क्रैश बैरियर की सबसे अधिक आवश्यकता है वहां एक भी क्रैश बैरियर नजर नही आ रहे। मार्ग पर पचास, सौ व दस मीटर के स्थानों को क्रैश बैरियर लगाने से छोड़ा गया है।

गड्ढे के कारण हरिद्वार आए यात्री की दुर्घटना में मौत

हरिद्वार। हरिद्वार में मंगलवार देररात सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की जान चली गई। बाइक सवार युवक के सड़क पर बने गड्ढे में गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने राहगीरों की मदद से उसे निजी अस्पताल भिजवाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इंस्पेक्टर चंद्रमोहन सिंह के मुताबिक उत्तर प्रदेश के फतेहपुर यूपी निवासी 35 वर्षीय प्रियांशु शुक्ला पुत्र अनूप शुक्ला हरिद्वार घूमने आया था और कनखल के एक आश्रम में रुका था। बताया कि मंगलवार देररात पायलट बाबा आश्रम रोड, इंदिरा बस्ती के पास अचानक बाइक के सड़क पर गड्ढे में गिरने से वह नीचे गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सड़क पर गड्ढा होने के कारण यह हादसा हुआ।

शादी का सांझा देकर कनिष्ठ सहायक पर दुष्कर्म का आरोप

बागेश्वर। एक कनिष्ठ सहायक पर युवती ने विवाह का झांसा देकर दुष्कर्म किया। इसपर कोतवाली पुलिस ने एससीएसटी समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस उपाधीक्षक मामले की जांच कर रहे हैं। जसपुर निवासी आकाश कुमार पुत्र विनोद कुमार यहां विकास भवन में कनिष्ठ सहायक पद पर नियुक्त है।

उसपर एक 26 वर्षीय युवती ने विवाह का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप लगा है। पुलिस को प्राथमिकी में कहा कि वह यहां अपनी दीदी के साथ रहती है। 2020 से आकाश उसके संपर्क में है। वह चार वर्ष से विवाह का झांसा दे रहा था। उसने चुपके से शादी भी कर ली है। उसने न्याय की मांग की। पुलिस उपाधीक्षक अजय साह ने बताया कि कोतवाली में धारा 69, 352, 351 तीन बीएनएस के अलावा एससीएसटी में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की सभी कोणों से जांच की जा रही है। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई होगी।

शव मिलने से सनसनी

बागेश्वर। कोतवाली पुलिस क्षेत्र के अंतर्गत बुधवार को अपराह्न चौरासी में एक वृद्ध का क्षत-विक्षत शव मिला। उससे बदबू भी आ रही है। स्थानीय बकरी पालक गोविंदी देवी ने सबसे पहले उसे देखा। वह बकरियां चराने गई थी। उन्होंने आसपास के लोगों को बताया कि कोई आदमी आर्य समाज के भवन के पास झाड़ियों में सोया हुआ है। वह हिल-डुल भी नही रहा है। सूचना पर प्रभारी कोतवाल खष्टी बिष्ट दलबल के साथ घटना स्थल पहुंची। उन्होंने शव को कब्जे में लिया है। बताया कि अभी शिनाख्त नही हो सकी है। वृद्ध की उम्र लगभग 60 वर्ष हो सकती है। शव को मोर्चरी में रखा गया है। शव चार से पांच दिन पुराना हो सकता है।

ड्रोन के झुंड को जवाब देने के लिए स्वदेशी भार्गवस्त्र का सफल परीक्षण

नईदिल्ली, सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड (एसडीएएल) ने एक ऐसा कम लागत वाला छोटा मिसाइल काउंटर ड्रोन प्रभाली भार्गवस्त्र विकसित किया है, जो ड्रोन के झुंड के बढ़ते खतरे का मुकाबला करेगा। इस काउंटर ड्रोन प्रणाली में इस्तेमाल किया गया माइक्रो रॉकेट का ओडिशा के गोपालपुर के सीवर्ड फायरिंग रेंज में कठिन परीक्षण किया गया है, जो पूरी तरह सफल रहा।

भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंगलवार को गोपालपुर में रॉकेट के लिए 3 परीक्षण किए थे। भार्गवस्त्र एक प्रकार का माइक्रो-मिसाइल आधारित काउंटर ड्रोन सिस्टम है, जिससे छोटे-छोटे ड्रोन और उड़ने वाले खतरों को पहचान कर उनको नष्ट किया जा सकेगा। प्रणाली 6 किलोमीटर की रेंज तक प्रभावी है और एक समय में 64 से अधिक सूक्ष्म क्षेपणास्त्रों को दाग सकता है। सेना ने मंगलवार को एक-एक रॉकेट दागकर 2 परीक्षण किए। एक परीक्षण 2 सेकंड के भीतर साल्वो मोड में 2 रॉकेट दागकर किया गया। सभी रॉकेटों ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया है।

पाकिस्तान ने बीएसएफ जवान पीके शॉ को लौटाया

●भारत ने भी पाकिस्तानी रेंजर को वापस किया

नईदिल्ली,भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के दौरान गलती से सीमा पार करने वाले सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान पीके शॉ को पाकिस्तान ने लौटा दिया है। पाकिस्तान की सेना ने 20 दिन तक कब्जे में रखने के बाद जवान को बाघा सीमा से वापस भेजा है। पंजाब में गश्त के दौरान गलती से शॉ पाकिस्तान की सीमा पार कर गए थे, जिसके बाद पाकिस्तानी रेंजर्स ने उनको हिरासत में लिया था। उनसे सुरक्षा अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। बीएसएफ ने अपने बयान में कहा, आज सुबह 10:30 बजे कांस्टेबल पूर्णम कुमार शॉ को अटारी-वाघा सीमा पर बीएसएफ द्वारा पाकिस्तान से वापस ले जाया गया। कांस्टेबल शॉ 23 अप्रैल, 2025 को लगभग 11:50 बजे फिरोजपुर सेक्टर में ऑपरेशनल ड्यूटी के दौरान अनजाने में पाकिस्तानी क्षेत्र में प्रवेश कर गए थे और उन्हें पाक रेंजर्स ने हिरासत में लिया था। पाकिस्तान रेंजर्स के साथ नियमित फ्लैग मीटिंग और अन्य संचार चैनलों के माध्यम से कांस्टेबल की वापसी संभव हो पाई। बीएसएफ की 182वीं बटालियन में तैनात कॉन्स्टेबल शॉ एक अन्य जवान के साथ 23 अप्रैल को पंजाब के फिरोजपुर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास तैनात थे। उनकी ड्यूटी बाड़ के पास फस काट रहे किसानों की निगरनी और सुरक्षा करना था। तभी वे दोपहर में पेड़ की छांव में आराम करने के लिए आगे आए और गलती से पाकिस्तानी सीमा में चले गए। तभी वहां तैनात पाकिस्तानी रेंजर्स ने उनको गिरफ्तार कर लिया। पाकिस्तान से बीएसएफ जवान शॉ की रिहाई के बाद भारत ने भी भारत में अवैध रूप से घुसे एक पाकिस्तानी रेंजर को छोड़ दिया है। पाकिस्तानी मीडिया ने पुष्टि करते हुए बताया कि अवैध रूप से भारत में घुसे पंजाब रेंजर्स के जवान मुहम्मद अल्लाह को भारत ने बुधवार को रिहा कर दिया है।

भारत–पाकिस्तान सीमा का दौरा करेंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भुज एयरबेस पर जाएंगे

नईदिल्ली,पाकिस्तान और उसके आतंकियों के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों का ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा है। कुछ ही समय के हमले में भारत की सेनाओं ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया और पाकिस्तान सीजफायर के लिए मिन्नतें करने लगा। इसके बाद दोनों में सीजफायर हुआ है। इस सीजफायर के बीच अब सूत्रों के हवाले से बड़ी जानकारी सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को वायुसेना के भुज एयरबेस की यात्रा करने जाएंगे। सामने आई जानकारी के मुताबिक, भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को भुज पहुंचेंगे। रक्षा मंत्री भुज एयरबेस की विजिट पर जाएंगे। राजनाथ सिंह की ये यात्रा दो दिवसीय यानी शुक्रवार और शनिवार के लिए होगी। जानकारी के मुताबिक, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुजरात की भारत पाकिस्तान सीमा का दौरा करेंगे। सैन्य तनाव के दौरान पाकिस्तानी सेना ने ड्रोन की मदद से भारत के भुज को निशाना बनाने की कोशिश की थी। हालांकि, भारत के सुरक्षाबलों ने एयर डिफेंस सिस्टम की मदद से एक के बाद एक पाकिस्तान के हमलों को लगातार विफल कर दिया था। आखिरकार कोई भी कामयाबी न मिलने और लगातार सैन्य नुकसान को देखते हुए पाकिस्तान ने सीजफायर की अपील की थी। इससे पहले पीएम मोदी ने भी मंगलवार को पाकिस्तान से लगी सीमा से केवल 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित आदमपुर एयरबेस पर जवानों को संबोधित किया था। पीएम मोदी ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए सख्त लहजे में कहा था कि भारत की ओर नजर उठाने का अंजाम तबाही होगा।

युवा अनुशासन, शौर्य और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें : धामी

●मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में निकाली तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में बुधवार को शौर्य स्थल चीड़बाग से गांधी पार्क तक भव्य तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा का आयोजन किया गया।

यह यात्रा हाल ही में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा सफलता पूर्वक चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक विजय को समर्पित रही। हजारों की संख्या में आमजन, पूर्व सैनिक, युवा वर्ग एवं मातृशक्ति ने तिरंगे के साथ पद यात्रा में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शौर्य स्थल पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर में भाग लेने वाले वीर सैनिकों, वायु सेना, नौसेना और सभी सुरक्षा बलों को नमन करते हुए कहा कि भारत ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि वह आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में पूरी तरह सक्षम है। कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने न केवल अपने वीर सपूतों की बहादुरी का प्रदर्शन किया, बल्कि आतंकवाद और उसके समर्थकों को यह स्पष्ट संदेश भी दिया कि नया भारत अब हर आतंकी कार्रवाई का जवाब उसी की भाषा में देगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि आज भारत किसी भी आतंकी चुनौती का मुँहतोड़ जवाब देने में सक्षम है और अब देश की सीमाओं की रक्षा अत्याधुनिक स्वदेशी तकनीक से की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड वीर भूमि है, जहां का लगभग हर परिवार देश सेवा से जुड़ा है। उन्होंने प्रदेश के युवाओं से आह्वान किया कि वे सेना और सुरक्षा बलों के अनुशासन, शौर्य और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में 'तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा' को प्रत्येक वर्ष मनाए जाने का आह्वान किया। इस मौके पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, राज्यसभा सांसद और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, विधायक खजान दास, उमेश शर्मा काऊ बृज भूषण गैरोला, भरत चौधरी, मेयर देहरादून सौरभ थपलियाल, पूर्व राज्यसभा सांसद तरुण विजय, भाजपा के प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी, महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, दर्जाधारी रजनी रावत, डॉ. देवेंद्र भसीन, श्याम अग्रवाल मौजूद थे।

जम्मू–कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में बनेंगे और बंकर

श्रीनगर,पिछले दिनों भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंचने के बाद जम्मू–कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में काफी गोलाबारी हुई थी, जिससे कई लोग हताहत हुए हैं।

इससे सबक लेते हुए केंद्र सरकार अब नियंत्रण रेखा (एलओसी) के आसपास के इलाकों में नए सामुदायिक बंकरों की संख्या बढ़ाएगी, जिससे आपातकालीन स्थिति में नागरिकों को सुरक्षित रखा जा सके। बताया जा रहा है कि इलाकों में 600 सामुदायिक बंकर और केंद्रीकृत सायरन प्रणाली स्थापित की जाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को एलओसी के आसपास के इलाकों का दौरा कर बताया था कि आगे 600 बंकर और केंद्रीकृत सायनर प्रणाली स्थापित होगी। वहीं, जम्मू–कश्मीर के मुख्य सचिव अजय डुल्लू ने राजौरी का दौरा कर कहा था कि एलओसी के आसपास अभी 9,500 बंकर है। उन्होने कहा था कि बंकर की मांग बढ़ रही है, जिसकी कोई कमी नहीं होगी और अधिक बंकरों का निर्माण कराया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले दशकों में सरकार ने एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर व्यक्तिगत और सामुदायिक बंकर बनाए हैं, लेकिन पुंछ और राजौरी कस्बे इस सुविधा से बाहर थे। रिपोर्ट के मुताबिक, पहले भारत–पाकिस्तान तनाव के दौरान ये क्षेत्र गोलाबारी से अछूते थे और सीमावर्ती गांवों तक सीमित थे, लेकिन इस बार पाकिस्तान ने पैटर्न बदला और यहां भी गोलाबारी की।एक अधिकारी के हवाले से बताया गया कि दोनों कस्बे पहली बार गोलाबारी की चपेट में आए हैं।

भारत में चीनी ग्लोबल टाइम्स, शिन्हुआ न्यूज और तुर्की प्रसारक टीआरटी के एक्स अकाउंट प्रतिबंधित

नईदिल्ली,भारत सरकार ने चीन की सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स और शिन्हुआ न्यूज के साथ तुर्की प्रसारक टीआरटी वर्ल्ड के एक्स अकाउंट को प्रतिबंधित कर दिया है। तीनों पर भारत के खिलाफ किए जा रहे पोस्ट को लेकर यह कार्रवाई की गई है। दोनों चीनी मीडिया आउटलेट भारत के खिलाफ पिछले कई सालों से अपने अखबार और चैनलों में जगह उगल रहे थे और दुष्प्रचार में शामिल थे। इन दोनों अकाउंट को अब भारत में नहीं देखा जा सकेगा। केंद्र सरकार ने पिछले दिनों भारत–पाकिस्तान के तनाव को देखते हुए देश में कई मीडिया और स्वतंत्र टिप्पणीकारों और आलोचकों के एक्स अकाउंट को प्रतिबंधित कर दिया था। सरकार ने पाकिस्तानी सरकार और उनके कुछ मंत्रियों के अलावा करीब 10 मीडिया चैनल और यूट्यूब चैनलों को प्रतिबंधित किया था। इसके बाद 8,000 एक्स अकाउंट को प्रतिबंधित करने के लिए एक्स को सिफारिश की थी।

गर्मी ने बिगाड़ा रसोई का बजट, फल–सब्जियों के दाम हुए महंगे

देहरादून। गर्मी का मौसम आते ही बाजार में मौसमी फलों की डिमांड बढ़ गई है। इससे फलों के दाम में भी बढ़ोत्तरी हुई है। इसके अलावा बाजार में हरी सब्जियों के दाम भी बढ़ गए है। थोक से लेकर फुटकर बाजार तक फल, सब्जियों के रेट बढ़े है। सब्जियों में बीन,मटर और नींबू, तो वहीं फलों में आड़ू, संतरा, खुमानी आदि सौ रुपये प्रति किलो के पार बिक रहे है। जबकि नींबू 120 से 150 रुपये बिक रहा है।

नींबू की सबसे ज्यादा खपत

बाजार में सबसे ज्यादा खपत नींबू की हो रही है। गन्ने के जूस के ठेलों से लेकर सलाद में लोग नींबू का प्रयोग कर रहे हैं। इसके साथ ही गर्मी में स्वास्थ्य के लिहाज से हाइड्रेट रहने के लिए तरल फलों का सेवन भी ज्यादा करते हैं।

मौसमी फलों के दाम बढ़े

ऐसे में फलों की मांग बढ़ने से बाजार में खपत भी बढ़ गई है। इससे मौसमी फलों के दाम बढ़ गए है। इसमें आड़ू, खुमानी, संतरा आदि का रेट 100 रुपये किलो के पार हो गया है। इनके रेट थोक में भी बढ़े है। इसके अलावा बाजार में हरी सब्जियों के दाम भी बढ़े है। इसमें बीन 80 से 90 रुपये किलो, वहीं नींबू 120 से 150 रुपये किलो बिक रहा है।

आलू फल आढ़ती व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश जोशी ने बताया कि गर्मी के सीजन में मंडी और बाजार में फलों की मांग काफी बढ़ गई है। वहीं इसके हिसाब से आपूर्ति नहीं हो पा रही है। ऐसे में फलों के दामों में इजाफा हुआ है। जबकि इस समय मंडी में हरी सब्जियों की आवक भी कम हो गई है। शादियों को लेकर भी सब्जियों की मांग बढ़ गई है।

ऑनपरेशन सिंदूर के दौरान नौसेना के 36 जहाज–युद्धपोत हमले के लिए थे तैयार

नईदिल्ली, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय नौसेना ने अपने कम से कम 36 जहाजों को अग्रिम पंक्ति पर तैनात कर रखा था। ये आदेश मिलते ही कराची पर हमला करने के लिए तैयार थे। सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है।

जहाजों के इस बेड़े का नेतृत्व आईएनएस विक्रांत कर रहा था। बता दें कि 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध के दौरान 6 युद्धपोतों ने पाकिस्तान पर हमला किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, इन जहाजों में ब्रह्मोस मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और वरुणास्त्र हेवीवेट टॉरपीडो से लैस 7 जहाज शामिल थे। ये जमीन, हवा और पानी के खतरों से निपटने में सक्षम थे। इसके अलावा हाल ही में नौसेना में शामिल किए गए आईएनएस तुशील सहित 7 स्टील्थ गाइड-ड-मिसाइल फ्रिगेट भी तैनात थे, जो पश्चिमी तट पर हर गतिविधि का जवाब देने को तैयार थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि नौसेना ने 6 पनडुब्बियों को भी तैनात कर रखा था। इसके अलावा तेज गति से हमला करने वाले जहाजों और मिसाइल नौकाएं भी शामिल थीं। इस तरह 36 युद्धपोत, जहाज और पनडुब्बियां किसी भी हरकत का जवाब देने के लिए तैयार थीं। पहलगाम हमले के बाद से ही नौसेना को हाई अलर्ट पर रखा गया था, जिसके कारण पाकिस्तान ने संभावित नौसैनिक हमले की आशंका के चलते नवरेआ चेतावनी जारी की थी। पाकिस्तानी नौसेना के पास फिलहाल 30 से भी कम युद्धपोत हैं। भारतीय सेना ने इससे ज्यादा बड़ा बेड़ा तैनात कर दिया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की नौसेना की तैनाती कथित तौर पर कराची बंदरगाह तक ही सीमित थी, क्योंकि भारतीय नौसेना की भारी मौजूदगी के कारण वह प्रभावी ढंग से जवाब देने में असमर्थ थी। तनाव के बीच कई वाणिज्यिक जहाजों ने भी कराची जाने के बजाय अपना रास्ता बदल लिया था। 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत हुई थी। भारत ने इसके पीछे पाकिस्तानी आतंकवादियों का हाथ बताते हुए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया और 7–8 मई को 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इसके बाद पाकिस्तान ने भारत पर मिसाइल और ड्रोन दागे, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया।

भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश बने न्यायमूर्ति बीआर गवई, 6 महीने का होगा कार्यकाल

नईदिल्ली, सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने बुधवार को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ले ली है। उनको राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शपथ दिलाई। उन्होंने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का स्थान लिया है, जो मंगलवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) पद से सेवानिवृत्त हो गए थे। न्यायमूर्ति गवई अगले 6 महीने (23 नवंबर, 2025) तक देश के सीजेआई के पद पर बने रहेंगे। उनके नाम की सिफारिश कानून मंत्रालय को भेजी गई थी। न्यायमूर्ति गवई देश के पहले बौद्ध और दूसरे दलित जाति के सीजेआई हैं। उनसे पहले अनुसूचित जाति के न्यायमूर्ति केजी बालाकृष्णन भी सीजेआई रह चुके हैं। केरल से आने वाले बालाकृष्णन जनवरी, 2007 से मई, 2010 तक सीजेआई रहे थे। न्यायमूर्ति गवई को 24 मई, 2019 को सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त किया गया था। इससे पहले वे बॉम्बे हाई कोर्ट में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। 24 नवंबर, 2025 को न्यायमूर्ति गवई सेवानिवृत्त हो जाएंगे। न्यायमूर्ति गवई अपने कार्यकाल के दौरान 600 से ज्यादा फैसले सुना चुके हैं और 200 से ज्यादा पीठों का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ कहा था कि केवल अपराध में आरोपी/दोषी होने पर संपत्तियों को ध्वस्त नही किया जा सकता।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर की सुरक्षा बढ़ी

नईदिल्ली,भारत–पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंचने और अब संघर्ष विराम के बाद केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने खुफिया एजेंसियों की सलाह पर नए खतरे का आकलन करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर की सुरक्षा को बढ़ा दिया है।विदेश मंत्री वर्तमान में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की जेड श्रेणी की सशस्त्र सुरक्षा में हैं। अब उनको देशव्यापी आवागमन के लिए बढ़ी हुई सुरक्षा मिलेगी, जिसमें बुलेट प्रूफ कार भी शामिल होगी। पाकिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के समय 69 वर्षीय जयशंकर भारत के कूटनीतिक रूख का एक महत्वपूर्ण चेहरा बन गए थे। पिछले साल अक्टूबर में ही उनको वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई थी, जिसे अब ´´श्रेणी की गई है। अब विदेश मंत्री के काफिले में बुलेट प्रूफ वाहन और 22 सुरक्षा जवान शामिल होंगे। अभी उनके साथ 12 सीआरपीएफ के सशस्त्र कमांडो हैं। पिछले साल उनकी सुरक्षा खालिस्तानी आतंकवादियों की धमकियों के बाद बढ़ाई गई थी। भारत में जेड श्रेणी को तीसरी सबसे बड़ी सुरक्षा मानी जाती है। इसके तहत 22 से अधिक सुरक्षा जवानों को आसपास तैनात किया जाता है। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के 4 से 6 जवानों के अलावा सीआरपीएफ और पर्सनल सुरक्षा अधिकारी, स्टैटिक सशस्त्र गार्ड भी होते हैं। तीन वाचर भी होते हैं, जो शिफ्ट में काम करते हैं। इसके अलावा 3 प्रशिक्षित चालकों को भी तैनात किया जाता है। यह सुरक्षा वीवीआईपी को मिलती है।

भारत पर हमले के दौरान तुर्की ने पाकिस्तान भेजे थे सैनिक, 2 मारे गए

नईदिल्ली,ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान ने भारत पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया था। भारत ने इनमें से सभी को मार गिराया था। तब खबर आई थी कि पाकिस्तान ने तुर्की में बने ड्रोन से भारत पर हमला किया था। रक्षा मंत्रालय ने भी इनकी पुष्टि की थी। अब खबर है कि तुर्की ने 350 से ज्यादा ड्रोन के अलावा पाकिस्तान की मदद के लिए अपने सैनिक भी भेजे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्की के 2 सैनिक भी मारे गए हैं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि तुर्की ने भारत के साथ पाकिस्तान के संघर्ष के दौरान इस्लामाबाद को 350 से अधिक ड्रोन की आपूर्ति भी की थी। सूत्रों ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद तुर्की के सलाहकारों ने पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों को भारत पर ड्रोन हमलों के समन्वय में मदद की थी। ऑपरेशन सिंदूर पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा था, ड्रोन के मलबे की फोरेंसिक जांच की जा रही है। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि वे तुर्की के असीसगार्ड सोंगर ड्रोन हैं। भारतीय सशस्त्र बलों ने गतिज और गैर-गतिज साधनों का उपयोग करके इनमें से कई ड्रोनों को मार गिराया। इस तरह के बड़े पैमाने पर हवाई घुसपैठ का संभावित उद्देश्य वायु रक्षा प्रणालियों का परीक्षण करना और खुफिया जानकारी एकत्र करना था। कथित तौर पर पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ बायरकटर टीबी2 और विहा ड्रोन का इस्तेमाल किया था। माना जाता है कि इन ड्रोन का इस्तेमाल लक्ष्य निर्धारित करने और संभावित रूप से कामिकेज हमलों के लिए किया गया था।

पाकिस्तान के भोलार समेत अन्य एयरबेस की सैटेलाइट तस्वीरें आईं सामने

इस्लामाबाद। भारत के हमले में पाकिस्तान के एयरबेस किस तरह से तबाह हुए हैं, इसकी सैटेलाइट तस्वीरें भी सामने आ गई हैं। इन तस्वीरों ने पाकिस्तान के झूठ को भी बेनकाब कर दिया है, जिसमें वह कह रहा था कि भारत के हमले में उसके एयरबेस को ज्यादा नुकसान नही हुआ है। बता दें कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के ग्यारह एयरबेस को निशाना बनाया था और पाकिस्तानी वायुसेना की महत्वपूर्ण सुविधाओं को नष्ट कर दिया, जिसमें हैंगर, इमारतें और रनवे शामिल हैं। सैटेलाइट कंपनी मैक्सार टेक्नोलॉजीज ने नवीनतम उच्च-गुणवत्ता वाली तस्वीरें हासिल की हैं, जो भारतीय हमलों के कारण पाकिस्तानी एयरबेस को हुए नुकसान की सीमा को दर्शाती हैं। भारतीय सशस्त्र बलों ने 7 मई की सुबह ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया हालाँकि, जब पाकिस्तान ने भारत के नागरिक और सैन्य ठिकानों पर हमला करके आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई का जवाब दिया, तो भारत ने पाकिस्तान के सैन्य ढांचे पर हमला किया,

तमिलनाडु में 300 एकड़ का पूरा गांव वक्फ बोर्ड की जद में, सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला

नईदिल्ली,तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में एक ऐसा गांव है, जो पूरी तौर पर वक्फ की संपत्ति बताई जा रही है। इसको लेकर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। लाइव लॉ के मुताबिक, थिरुचेंदुरई गांव के निवासी श्रीमन चंद्रशेखर ने याचिका दायर कर बताया कि तमिलनाडु वक्फ बोर्ड ने पूरे गांव को अपनी संपत्ति बताया है और इस पर दावा किया है। याचिकाकर्ता ने वक्फ विधेयक 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं में विधेयक का समर्थन कर हस्तक्षेप आवेदन दायर किया है। आवेदक चंद्रशेखर ने बताया कि थिरुचेंदुरई गांव 300 एकड़ की जमीन पर बसा है, जिसमें एक प्रसिद्ध चंद्रशेखर स्वामी मंदिर भी है। उन्होंने बताया कि वक्फ बोर्ड ने मंदिर समेत पूरे गांव पर दावा किया है, जबकि मंदिर ही 1,500 साल पुरानी है और इस्लाम धर्म 1,400 साल पुराना है। उन्होंने बताया कि उनका गांव वक्फ बोर्ड में है, इसका खुलासा सितंबर 2022 में तब हुआ, जब गांव का किसान बेटी की शादी के लिए अपनी जमीन बेचने गया था। चंद्रशेखर ने बताया कि जब किसान उप-पंजीयक कार्यालय पहुंचा तो उप-पंजीयक अधिकारी ने उसे जमीन बेचने के लिए वक्फ बोर्ड से अनापत्ति प्रमाणपत्र लाने को कहा। याचिकाकर्ता ने बताया कि उनके पिता 1936 से इस गांव में रह रहे हैं, लेकिन अब पता चल रहा है कि गांव के 5 मंदिर भी वक्फ बोर्ड के दायरे में हैं। यही नहीं, उप-पंजीयक कार्यालय ने वक्फ बोर्ड के दावे वाली भूमि की बिक्री की अनुमति भी दे दी है। अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अगुवाई वाली पीठ सुनवाई करेगी। चंद्रशेखर ने जमीयत नेता अरशद मदनी द्वारा अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिका में हस्तक्षेप आवेदन दायर कर अधिनियम का समर्थन किया है।

सम्पादकीय

रिश्वतखोर खाकी का सच

रिश्वतखोरी का रोग जब एक बार जेब गर्म करने लगता है तो फिर रिश्वत लेने वाला यमाह भ्रम पाल बैठता है कि वह कभी पकड़ में ही नहीं आएगा। उत्तराखंड में पिछले कुछ वर्षों में कई ऐसे बड़े नाम रिश्वतखोरी के आरोप में जेल भेजे गए हैं जिनके कंधों पर आमजन से जुड़ी समस्याओं के निराकरण की जिम्मेदारी थी, लेकिन अपनी इसी जिम्मेदारी को उन्होंने अपनी स्वार्थ पूर्ति का माध्यम बना लिया। पुलिस विभाग भी एक ऐसी संस्था है जिसका सीधा सरोकार कानून व्यवस्था एवं आम व्यक्ति की समस्याओं से जुड़ा रहता है लेकिन काहे बगाहे कुछ ऐसे भ्रष्ट पुलिसकर्मी भी कुर्सियों पर बैठ जाते हैं जो समस्याओं के निराकरण की अपेक्षा अपनी जेब भारी करने के मिशन पर चलते हैं। राजधानी देहरादून में भ्रष्ट पुलिया कर्मियों को पहले भी बेनकाब किया गया है और अब इस बार एक उप निरीक्षक स्तर के पुलिसकर्मी को उत्तराखंड विजिलेंस की टीम ने एक लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। अपने पद की मर्यादा, कर्तव्य और जिम्मेदारियां को पैरों तले कुचलते हुए यह उपनिरीक्षक भूमि विवाद के एक प्रकरण में गैंगस्टर लगाने की धमकी देकर पांच लाख रुपए की मांग कर रहा था। यह घटना बताने के लिए काफी है कि थाने और चौकिया के अंदर जन समस्याओं के निराकरण की आड़ में किस प्रकार से शिकायत कर्ताओं या फिर कथित आरोपियों के खिलाफ जांच की जाती होगी। झूठे मुकदमों में फंसाने का डर या फिर अनर्गल धारा जोड़कर जेल भेजने की धमकी देना आम है। अधिकांश लोग तो खाकी का डर देखकर विरोध करने की हिम्मत नहीं जुटा पाते लेकिन इस मामले में जरूर सराहना करनी होगी कि रिश्वतखोर दरोगा को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाने का काम किसी ने "शूरवीर" किया। राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए पूरे प्रदेश में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है और इसी के तहत कई बड़े मगरमच्छ रिश्वतखोरी के आरोप में जेल भी भेजे गए हैं लेकिन लालच का या खेल बंद होने का नाम नहीं ले रहा है। शिकायतें दर्ज करने में ऑनलाइन व्यवस्था के साथ–साथ अधिकारियों से सीधे संपर्क करने के रास्ते भी सरकार ने खोले हैं लेकिन उसके बावजूद भी यदि दरोगा या दूसरे स्तर के पुलिसकर्मी खुलेआम धमकी देकर रिश्वतखोरी के काम में लगे हुए हैं तो समझ लेना चाहिए कि सरकार और आला अधिकारियों का अपने गुड गवर्नेंस पर नियंत्रण नहीं है। यहां एक और सख्त कार्रवाई अपेक्षित है कि रिश्वतखोरी के आरोप में पकड़े गए कर्मचारियों को सेवा से भी बाहर किया जाए।

पाकिस्तानियों का सरकार और सेना पर से भरोसा टूटा

हरिशंकर व्यास

वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान में लोगों का सरकार और सेना पर भरोसा टूटा। उसकी सैन्य कार्रवाईयों के किसी भी दावे पर लोगों को भरोसा नहीं हो रहा है।

सूत्रों ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ से पूछा कि उनके पास क्या सबूत है कि उनकी सेना ने भारत के लड़ाकू विमान को मार गिराया है तो उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया देखिए।

पाकिस्तान के एक सांसद ने इसे लेकर अपने रक्षा मंत्री का मजाक उड़ाया। इससे पहले दो मौकों पर 2016 और 2019 में भारतीय सेना की कार्रवाई पर भारत में सवाल उठे थे और सबूत मांगे गए थे। इस बार भारत में पूरा देश एकजुट है, जबकि पाकिस्तान में उसकी सेना की कार्रवाई के सबूत मांगे जा रहे हैं।

पाकिस्तान में कैसे लोगों का मनोबल गिरा हुआ है इसकी एक मिसाल पाकिस्तानी संसद में देखने को मिली, जब भारत के 'ऑपरेशन सिंदूरइ के बाद संसद में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पार्टी पीएमएलएन के एक सांसद फूट फूटकर रोने लगे। पाकिस्तानी सांसद ताहिर इकबाल ने रोते हुए संसद में कहा, 'या खुदा आज बचा लो। दुआ करते हैं कि अल्लाह हमारे मुल्क की हिफाजत करे और हमें आपस में जोड़कर रखेइ। हालांकि उन्होंने भी धर्म के आधार पर ही देश को बचाने की अपील की और कहा कि अल्लाह ने यह मुल्क अता किया है।

इसके बावजूद लोगों में जोश नहीं लौट रहा है। एक पूर्व पाकिस्तानी सांसद का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, जिसमें वे कह रहे हैं कि मोदी कोई उनकी खाला का लड़का है, जो उनके कहने पर युद्ध रोका देगा। इसके आगे वे कहते हैं कि युद्ध होगा तो देश छोड़ कर विदेश भाग जाएंगे। जाहिर है पाकिस्तान के लोगों को अपनी सरकार और सेना पर भरोसा नहीं है कि वह उनकी रक्षा कर पाएगी। बहरहाल, पाकिस्तान के सांसद के रोने के वीडियो वायरल होने के बाद देखने को मिला कि पाकिस्तान के न्यूज चैनल अपने नेताओं और नागरिकों का भरोसा बढ़ा रहे हैं। वे नेताओं से कह रहे हैं कि वे रो कर अपनी कमजोरी नहीं जाहिर करें। लेकिन पाकिस्तान का रोना पीटना बंद नहीं हो रहा है। इस बीच पाकिस्तान के इकोनॉमिक अफेयर डिवीजन के एक्स हैंडल से दुनिया के देशों से कर्ज मांगने की पोस्ट वायरल हो गई।

पाकिस्तान की आर्थिक हालत का हवाला देकर कर्ज मांगा जा रहा था। पोस्ट वायरल होने के बाद पाकिस्तान की ओर से कहा गया है कि उसका हैंडल हैक हो गया है और पोस्ट फर्जी है। लेकिन पाकिस्तान के ही लोग मान रहे हैं कि यह पोस्ट सही हो सकती है क्योंकि देश कंगाली की हालत में है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के पास 15 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा, जबकि उसको एक साल में 30 अरब डॉलर का कर्ज चुकाना है।

बहरहाल, छह और सात मई की दरम्यानी रात को भारत की ओर से किए गए 'ऑपरेशन सिंदूरइ के बाद पाकिस्तान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लगाई गई पाबंदी हटा दी है। कोई 15 महीने पहले पाकिस्तान ने एक्स पर पाबंदी लगाई थी। उसका कहना है कि सोशल मीडिया में पाकिस्तान विरोधी नैरेटिव चल रहा है, जिसका उसको जवाब देना है।

उसने पांच सौ अकाउंट बंद भी किए हैं। अब यह पता लगाया जा रहा है कि ये हैंडल संचालित कर रहे लोग पाकिस्तान के ही हैं या बाहर से कहीं से इन्हें संचालित किया जा रहा है। असल में पाकिस्तान का सोशल मीडिया भारत की सैन्य कार्रवाई और बलोच विद्रोही सेना द्वारा पाकिस्तानी फौज पर किए जा रहे हमले से भरा है।

इतना ही नहीं ऐसा लग रहा है कि पाकिस्तान का शासन अपने लोगों को भारत के खिलाफ भड़काने में लगा है। पाकिस्तानी लोगों के मन में भारत विरोधी भावना भरी जा रही है। पाकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री मुस्तफा कमाल ने भारतीय दवाओं पर निर्भरता को देश के लिए खतरा बताया है। उन्होंने दवा कंपनियों से इस निर्भरता को कम करने के लिए कहा है। मुस्तफा ने भारत को गैर भरोसमंद दुश्मन बताते हुए कहा कि भारतीय दवाओं को कम से कम इस्तेमाल किया जाए। पाकिस्तान की असली चिंता यह है कि उसे इस्लामिक मुल्कों से भी समर्थन नहीं मिल रहा है। उसके खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई तो ईरान के विदेश मंत्री भारत में थे और उसके बाद सऊदी अरब का प्रतिनिधिमंडल भारत आया।

व्यंग्य: पोक वाली डिजिटल थपकी

विवेक रंजन श्रीवास्तव

एक जमाना था जब लोग मिलते एक–दूसरे को राम राम, नमस्ते करके अभिवादन करते थे। फिर फोन आया , मोबाइल आया, तो कॉल करके हालचाल पूछ लेने का रिवाज बना । व्हाट्सएप आया, तो हाय और गुड मॉर्निंग की फूलों वाली तस्वीरें चलने लगीं। लेकिन जब फेसबुक ने 'पोकइ और पोक बैक के बटन बना दिया, तो हम संवेदन शील लोगों को हल्का झटका लगा।–पोक। के मैसेज मिलते ही चुभन सी होती है। जैसे कोई आपके कंधे पर उंगली से टोक रहा होः ओ भई, मैं भी हूं यहाँ! और जब आप पोक बैक कर दें, तो यह संवाद का चरमोत्कर्ष माना जाता है। कोई शब्द नहीं, कोई भावना नहीं–बस डिजिटल उंगली की संवेदना हीन चुभन। भारत में पोक को लेकर बहुत भ्रम की स्थिति है। हमारे यहाँ उंगली उठाने की परंपरा बहुत संवेदनशील मानी जाती है। किसी ठीक ठाक चलते काम में उंगली करना अच्छा नहीं माना जाता । कोई किसी को असल में उंगली से पोक कर दे, तो बात थाने तक पहुंच सकती है। लेकिन फेसबुक पर यही काम प्यारा इशारा बन जाता है।अब गाँव के चाचा ने जब फेसबुक चलाना सीखा और गलती से किसी बुआ जी को पोक कर दिया, तो पूरा खानदान चिंता में पड़ गया। चाची ने चाचा को पकड़कर पूछा, पोक का मतलब क्या होता है? चाचा बेचारे बोले, मुझे लगा घंटी जैसी कोई चीज़ है। बजा दी।पढ़े लिखे युवाओं और शहरों में पोक का इस्तेमाल कुछ अलग ही लेवल पर होता है। कुछ लोग इसे इंविटेशन टू कन्वर्सेशन मानते हैं, तो कुछ लोग डिजिटल फ्लर्टिंग का माध्यम। लेकिन अगर गलती से किसी ने अपने बॉस को पोक कर दिया, तो समझ लीजिए, अगली मीटिंग में आपको पोक–पोक करके ही निकाला जाएगा। लोक भाषा में पोक शब्द का अर्थ लीक करने वाला होता है, जब इंक पैन उपयोग होते थे और उनकी स्याही लीक हो जाती थी तो जेब का धब्बा छिपाते हुए पेन के पोक देने पर गुस्सा आता था। कोई गोपनीय वार्ता कहीं लीक हो जाती थी तो उस शख्स को ढूंढा जाता था जिसने जानकारी पोक दी होती थी।भारत में पोक और पोक बैक एक ऐसी परंपरा बन गई है, जिसे लोग करते तो हैं, लेकिन समझते कम ही हैं । यह एक ऐसा संवाद है, जिसमें संवाद नहीं होता। एक ऐसा स्पर्श है, जिसमें छूने की अनुमति नहीं। और एक ऐसा मज़ाक है, जिस पर कोई खुलकर हँसकर नहीं पाता।जरूरी है कि फेसबुक के इस पोक–बोक के खेल को भारतीय संदर्भ में थोड़ा सुधारा जाए। नाम बदलकर हल्की सी टोक, डिजिटल धक्का, या फिर कंधे पर प्यार की थप्पी, खटखटाओ, रख दिया जाए। ताकि भारतीय उपयोगकर्ता इसे दिल से समझें और हँसते–हँसते स्वीकार करें, वरना अगली बार जब दादी जी को कोई पोक करेगा, तो वो पूछेंगी, बेटा ये कौन सा रोग है? डॉक्टर को दिखाऊँ क्या?

क्या आप कभी पोक हुए हैं , आज के डिजिटल जीवन में ?

पटाखों के पूर्ण–प्रतिबंध पर केंद्र मुस्तैद हो

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में पटाखों पर सख्ती से प्रतिबंध लगाने को कहा है वरना अवमानना की कार्रवाई होगी। अदालत ने उप्र, राजस्थान और हरियाणा सरकार से पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत निर्देश जारी करने को कहा है, जिसमें पटाखों का निर्माण, बिक्री, भंडारण और ऑनलाइन उपलब्धता पर पूर्ण प्रतिबंध लगे। कोर्ट ने ईपीए की धारा 5 के तहत जारी निर्देशों को राज्यों के सभी कानून प्रवर्तन तंत्रों के माध्यम से सख्ती से लागू करने की बात की। पटाखों को पूर्णतया प्रतिबंधित करने के बावजूद विभिन्न त्योहारों और हर्षोल्लास वाले मौकों पर आतिशबाजी रोकने में सरकार बुरी तरह असफल नजर आ रही है।

पहले तो यमुना को नदी बनाएं

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

इस वर्ष हुआ दिल्ली विधानसभा चुनाव बहुत कुछ यमुना नदी जल के पीने, उसमें डुबकी लगाने और हरियाणा से मिलते प्रदूषित पानी के मुद्दों पर भी केंद्रित था। हो भी क्यों न। दिल्ली अपनी एक तिहाई पेयजल आपूर्ति के लिए यमुना पर निर्भर करती है। प्राथमिक रूप से जल की मात्रा और गुणवत्ता वही होती है, जो हरियाणा से मिलता है। उपभोक्ताओं को कितना पानी दिया जा सकेगा यह भी उसी पर निर्भर करता है। कम पानी आ रहा हो तो वजीराबाद जलाशय का जल स्तर गिर जाएगा। सामान्य दिनों में वजीराबाद से पानी निकलने के बाद यमुना में केवल कीचड़ और मलबा रह जाता है। हरियाणा में घरेलू और औद्योगिक अपशिष्ट यमुना में मिलता ही है। सालों से भारी मात्रा में अमोनिया प्रदूषण लिए पानी दिल्ली पहुंचता रहा है। कई बार यह दिल्ली के जलशोधन संयंत्रों की क्षमता से सात–आठ गुणा ज्यादा तक होता है। अमोनिया का स्वीकार्य स्तर केवल 05 पीपीएम है। ऐसे में यमुना में अमोनिया का स्तर नीचे गिरने का इंतजार भी करना पड़ता है किंतु दिल्ली के भीतर हरियाणा से पहुंचे यमुना नदी जल में प्रदूषण भार साठ–सत्तर प्रतिशत बढ़ जाता है। यमुना में उठते गैस के गुब्बारों में भी यमुना का प्रदूषण और उसका दम तोड़ना नंगी आंखों दिख जाता है। ऐसा अमोनिया और फास्फेट के कारण सड़े हुए पेड़–पौधों की सड़न के कारण होता है। जैवीय मल–मूत्र का प्रदूषण दिल्ली में यमुना में काफी ज्यादा है। कॉलिफॉर्म बहुत ज्यादा होने से यमुना में घुली ऑक्सीजन का स्तर गिरा रहता है। नदी जल में ऑक्सीजन की कमी से जलचरों की मौत का आंकड़ा भी बढ़ जाता है। यमुनोत्री से दिल्ली तक की यात्रा में जगह–जगह यमुना जल में सीवर जल, गंदे नालों का मिलना आज भी जारी है। रास्ते में मिलते घरेलू और औद्योगिक अपशिष्ट की भरमार से भूरी–पीली–धूसर–काली होती यमुना में दिल्ली में भारी मात्रा में अनुपचारित और आंशिक उपचारित सीवर जल पहुंचता है। अगस्त, 2024 को डीजेबी ने एनजीटी को दिए शपथपत्र में बताया था कि दिल्ली में चालीस एसटीपी हैं, जिनमें से सारे काम नहीं कर रहे हैं। यमुनोत्री से दिल्ली की राह में यमुना के पानी का डायवर्जन पहली बार उत्तराखंड में ही डाकपत्थर में बिजली उत्पादन के लिए किया जाता है। फिर हरियाणा में हथिनीकुंड और ताजेवाला–यमुनानगर में नहरों के लिए होता है। सूखे के मौसम में बैराज से पानी नहीं छोड़ा जाता है जिससे ताजेवाला और दिल्ली के बीच के कुछ–कुछ हिस्सों में नदी लगभग जलशून्य हो जाती है।

जल संसाधन मंत्रालय संबंधी संसदीय स्थाई समिति की रिपोर्ट के अनुसार नदी जल में घुले आक्सीजन की मात्रा की अत्यंत कमी के कारण दिल्ली में यमुना अस्तित्वविहीन सी हो चुकी है। सुझाव दिया गया कि यमुना में ताजा पानी और उसके पानी में घुले ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के लिए काम होने चाहिए। वजीराबाद के परिप्रेक्ष्य में संसदीय समिति का मूल्यांकन था कि वजीराबाद के नीचे यमुना में ताजे पानी की इतनी कमी है कि मानकों के अनुसार सारा सीवेज यदि उपचारित भी होने लगे तब भी यमुना प्रदूषित ही रहेगी। दिल्लीवासियों को जल आपूर्ति एक तरह से यमुना को निचोड़ कर ही हो रही है। हर साल यमुना में कई–कई दिनों तक पानी नहीं केवल कीचड़ ही कीचड़ दिखता है।करीब नौ माह तो यमुना में इतना पानी भी नहीं रहता कि वह ठीक से बह सके। एलगी का भी जमाव होता रहता है। एलगी भी नदी की ऑक्सीजन को कम करती हैं खासकर जब वो सड़ती हैं, उनमें विघटन होता है। वे जल में स्वास्थ्य के लिए घातक प्रदूषण भी पैदा कर सकती हैं। बिना पानी, बिना प्रवाह यमुना को दिल्ली में नदी भी कैसे कहा जाए। सुप्रीम कोर्ट भी कुछ साल पहले यमुना को नाला की संज्ञा दे चुका है। आठ नौ माह तो दिल्ली के भीतर यमुना में ताजा पानी बढ़ाने की संभावनाएं नगण्य ही रहती हैं किंतु सालों साल गाद, मलबा से अटी–पटी होने के कारण जल संग्रहित करने की गहराई कम होने से यमुना को बरसात का भी फायदा नहीं मिलता। तेज बरसात में जल्दी से बाढ़ का उभार होने लगता है। अतः यमुना में ज्यादा पानी नहीं रुक पाता। कूड़ा निकासी हो तो दिल्ली में उसके जलसमेट क्षेत्र से मिलने वाले ज्यादा से ज्यादा बरसाती जल संग्रहण में भी मदद मिलेगी। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा का कहना है कि नई सरकार बनने के दस दिनों में ही यमुना से 13 हजार टन गाद की निकासी हो गई थी। गाद हटाने के काम में यमुना स्वच्छता मिशन बहुत पिछड़ा हुआ था। इसलिए दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने नई राज्य सरकार के गठन से पहले ही अधिकारियों को निर्देश देकर भारी मशीनों से यमुना गाद सफाई का काम प्रारंभ कर दिया था किंतु पूरी निकासी में महीनों लग सकते हैं। किंतु आशा की जानी चाहिए कि आने वाली बरसात में इसका फायदा मिलने लगेगा। यमुना के फ्लड प्लेन में अतिक्रमण के कारण बाढ़ के फैलाव का फायदा भी नहीं मिलता। पांच किमी. यदि फ्लड प्लेन की चौड़ाई हो तो उसमें भी एक किमी. दूरी तक भी पानी नहीं पसर पाता। फ्लड प्लेन खाली रहे तो जलविहीन यमुना और जैवविविधता को कुछ सहारा मिल सकता है। दिल्ली में वजीराबाद से पल्ला तक का यमुना का फ्लड प्लेन बाइस किमी. का है। इसका क्षेत्र 9,700 हेक्टेयर का है। इसमें से 7,362 हेक्टेयर पर लगभग 75 प्रतिशत पर अतिक्रमण है। जुलाई, 2024 में दिल्ली हाई कोर्ट ने भी डीडीए को फ्लड प्लेन के अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए थे। आदर्श रूप में एक नदी में उसके सालाना प्रवाह की जल मात्रा का कम से कम आधा पानी हर बना रहना चाहिए। इसलिए आवश्यक है कि दिल्ली के लिए हरियाणा से ज्यादा पानी छोड़ा जाए और उसको निकालने का लालच न हो। अतिरिक्त पानी हरियाणा से आ भी जाए और तुरंत उसे निकाल कर उपभोक्ता को दे दिया जाए तो यमुना के हिस्से क्या रहेगा। दिल्ली सरकार के पहले बजट में यमुना सफाई के उद्देश्य से चालीस नये सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स लगाने और पुरानों को ठीक करने के लिए 500 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है किंतु बजट में यमुना नदी में दिल्ली में ताजे जल को बढ़ाने के कार्यक्रमों पर खर्चे पर भी जोर दिए जाने की जरूरत है क्योंकि पहले तो यमुना को नदी बनाएं।

कुबेर के निर्माताओं ने धनुष के किरदार को देवा के रूप में पेश किया

शेखर कम्मुला की बहुप्रतीक्षित फिल्म कुबेरा में अभिनेता धनुष ने अपना नया और गहरा अवतार पेश किया है। इस लुक को देखकर यह साफ होता है कि फिल्म में उनका किरदार देवा सिनेमा प्रेमियों को एक नया और दिलचस्प अनुभव देने वाला है। कुबेरा के निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का एक आकर्षक पोस्टर जारी किया, जिसमें धनुष का यह लुक एक शक्तिशाली संदेश देता है। पोस्टर में धनुष को समुद्र तट पर नंगे पैर चलते हुए दिखाया गया है, जो उनकी भूमिका के भीतर छिपे गहरे संघर्ष, एकांत और ताकत को दर्शाता है। इस छवि से यह साफ संकेत मिलता है कि 'देवाइ एक ऐसा पात्र होगा जो आंतरिक संघर्ष से गुजरता हुआ, अपने आत्मविश्वास और धैर्य के साथ एक नई दिशा की ओर बढ़ता है। इस लुक में एक प्रोफ़ाइल शॉट भी है, जिसमें धनुष की आँखों में गहरी सोच और संघर्ष की झलक है, जो दर्शकों को और भी उत्सुक करता है। कुबेरा, जो शेखर कम्मुला के निर्देशन में बन रही है, निर्माता और अभिनेता के बीच पहला सहयोग है। कम्मुला के फिल्मी सफर में यह एक नया मोड़ है, और इस प्रोजेक्ट को लेकर सिनेमा जगत में काफी उत्साह है। शेखर कम्मुला की फिल्मों को उनके संवेदनशील और गहरे किरदारों के लिए जाना जाता है, और उनके साथ धनुष का यह संयोजन एकदम नया और दिलचस्प प्रतीत हो रहा है।

टेस्ट से संन्यास की खबरों पर फूटा मोहम्मद शमी का गुस्सा, अफवाह फैलाने वालों को जमकर लताड़ा

नई दिल्ली, भारत के दाएं हाथ के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट में अपने भविष्य के बारे में अटकलें लगाने वाले एक ऑनलाइन न्यूज पोर्टल की जमकर निंदा की है. शमी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करते हुए एक न्यूज रिपोर्ट की खूब निंदा की है और साफ शब्दों में कहा है कि वह खेल के सबसे लंबे फॉर्मेट में बने रहेंगे और जल्द ही कहीं नहीं जा रहे हैं.

34 वर्षीय तेज गेंदबाज, जो वर्तमान में इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं ने उस रिपोर्ट पर निशाना साधा है, जिसमें संकेत दिया गया था कि शमी संभवतः दिग्गज विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अपने टेस्ट करियर को अलविदा कह सकते हैं. मोहम्मद शमी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में एक न्यूज रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया है, जिसकी हेडलाइन थी, मोहम्मद शमी रिटायरमेंटः रोहित शर्मा, विराट कोहली के बाद, भारतीय तेज गेंदबाज टेस्ट क्रिकेट को अलविदा

कह सकते हैं. इसके जवाब में शमी ने नीचे शमी लिखा, बहुत बढ़िया किया, महाराज. अपनी जॉब के दिन भी गिन लो कितने दिन बचे हैं. बाद में देख लें हमारा. आप जैसे ने सत्यनाश कर दिया फ्यूचर का. कभी तो अच्छा बोल लिया करें. आज की सबसे खराब स्टोरी सॉरी.

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने अब तक 64 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है. इस दौरान उन्होंने 27.71 की औसत से 229 विकेट लिए हैं. उनका आखिरी टेस्ट जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओवल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल था. बता दें कि, वनडे वर्ल्ड कप 2023 में चोटिल होने के बाद यह तेज गेंदबाज लंबे समय के लिए टीम से बाहर हो गया था. लेकिन, इस साल इंग्लैंड के खिलाफ टी20आई सीरीज के जरिए शमी ने भारतीय टीम में वापसी की. वह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे.इंग्लैंड के खिलाफ आगामी 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा अगले हफ्ते होने की उम्मीद है. तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के टीम में चुने जाने की पूरी संभावना है, लेकिन, आईपीएल 2025 में शमी का हालिया प्रदर्शन खराब रहा है. ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा है कि इंग्लैंड दौरे के लिए शमी को मौका मिलता है या नहीं.

तन्वी द ग्रेट का हिस्सा बनी पल्लवी जोशी, अनुपम खेर ने किया खुलासा

बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर अपनी आने वाली फिल्म तन्वी द ग्रेट में बतौर निर्देशक हाथ आजमा रहे हैं। इस फिल्म का दर्शक बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में अनुपम ने बोमन ईरानी, शुभांगी दत्त और जैकी श्रॉफ के फिल्म में होने का खुलासा किया था। अब उन्होंने फिल्म की एक और स्टारकास्ट के नाम से पर्दा उठा दिया है। इसका खुलासा उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किया।

अनुपम ने इंस्टाग्राम पर एक एक्ट्रेस की फोटो शेयर की। इस फोटो में नीचे की तरफ फिल्म का नाम तन्वी द ग्रेट लिखा है, और ऊपर एक्ट्रेस का नाम और उसके किरदार के बारे में बताया गया है। यह एक्ट्रेस द कश्मीर फाइल्स में नजर आ चुकीं अदाकारा पल्लवी जोशी हैं। वह अब इस फिल्म की स्टारकास्ट में शुमार हो चुकी हैं।

नयनतारा ने किया फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी का ऐलान; रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

साउथ अभिनेत्री नयनतारा बतौर निर्माता अपनी फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी लेकर आ रही हैं। यह एक रोमांटिक–कॉमेडी ड्रामा फिल्म होगी। इस फिल्म का निर्देशन और लेखन नयनतारा के पति विग्नेश शिवन ने किया है। नयनतारा ने कुछ ही देर पहले इंस्टाग्राम पर फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी को लेकर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट के साथ नयनतारा ने फिल्म एलआईके की एक झलक दिखाई और साथ ही कैप्शन में लिखा, आओ प्यार में पड़ें, इस त्यौहार के मौसम में... प्यार के त्यौहार का जश्न मनाने के लिए 18 सितंबर को आप सभी से मिलते हैं। लव इंश्योरेंस कंपनी (एलआईके) एक साइंस फिक्शन रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। इसे राउडी पिक्चर्स और सेवन स्क्रीन स्टूडियो ने मिलकर बनाया है। फिल्म में प्रदीप रंगनाथन, एसजे सूर्या और कृति शेट्टी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी।

वर्कलोड की चिंता छोड़ो जसप्रीत बुमराह को कप्तान बनाओ: सुनील गावस्कर

नईदिल्ली, जबसे टेस्ट क्रिकेट से रोहित शर्मा में रिटायरमेंट का ऐलान किया है तब से क्रिकेट फैंस के मन में ये सवाल खड़ा हो रहा है कि भारतीय टीम का अगला टेस्ट कप्तान कौन होगा. कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि शुभमन गिल को अगला टेस्ट कप्तान नियुक्त कर दिया गया है बस इसका आधिकारिक ऐलान करना बाकी है. बीसीसीआई की चयन बैठक जल्द ही होने की उम्मीद है, जिसमें भारतीय कप्तान के साथ साथ टेस्ट स्क्वाड का भी ऐलान कर दिया जाएगा.इस बीच ये भी रिपोर्ट्स आई कि

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कार्यभार प्रबंधन के कारण सभी पांच टेस्ट में खेलने में कठिनाई का हवाला देते हुए खुद को टेस्ट की कप्तानी की रेस से बाहर कर लिया है. चयनकर्ता अब कथित तौर पर शुभमन गिल और ऋषभ पंत को इस पद के लिए प्राथमिक उम्मीदवार के रूप में देख रहे हैं.

इस रिपोर्ट के बावजूद भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने जसप्रीत बुमराह को भारत का अगला टेस्ट कप्तान बनाने का समर्थन किया है. उनका मानना है कि एक तेज गेंदबाज के रूप में, बुमराह अपने कार्यभार को प्रबंधित करने और अपनी शारीरिक मांगों के अनुरूप मैदान पर निर्णय लेने के लिए सबसे उपयुक्त हैं.

एक नजर

अधिकारियों ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : एकेश्वर ब्लाक में बुधवार को चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने अधिकारियों को समस्याएं बताई। ग्रामीणों ने पेयजल, जर्जर सड़कें, सिंचाई नहरों की दयनीय स्थिति, जंगली जानवरों से फसलों को हो रहे नुकसान, गौरा देवी कन्या धन योजना का लाभ नहीं मिलने आदि की शिकायत दर्ज करवाई। डीएफओ सिविल एवं सोयम पवन नेगी ने बताया कि संबंधित विभागों के अफसरों को ग्रामीणों की समस्याएं जल्द हल करने हुए रिपोर्ट डीएम कार्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए है। चौपाल में सिविल एवं सोयम वन प्रभाग, शिक्षा विभाग, पशुपालन, राजस्व सहित कई विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

पेयजल आपूर्ति सुचारू न होने से लोगों में आक्रोश

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम श्रीनगर क्षेत्र श्रीकोट के प्रज्ञा विहार में पेयजल आपूर्ति सुचारू रूप से संचालित न होने पर स्थानीय जनता बुधवार को जल संस्थान कार्यालय पहुंची। इस दौरान स्थानीय लोगों ने गर्मियों में पेयजल आपूर्ति सुचारू रूप से संचालित न होने पर गहरा रोष व्यक्त किया। स्थानीय निवासी अनिल गुसांई, गजेंद्र बर्त्वाल, विजय भट्ट, जेएस गुसांई, गजेंद्र सिंह खत्री, संदीप थपलियाल, भागवत प्रसाद ने कहा कि बीते 3 वर्षों से जल संस्थान के अधिकारियों से प्रज्ञा विहार में पेयजल समस्या का निस्तारण किए जाने की मांग जा रही है। इसके बावजूद पेयजल समस्या जस की तस बनी हुई है। बताया कि अप्रैल, मई और जून माह में पेयजल समस्या सबसे अधिक चरम पर रहती है। पेयजल आपूर्ति सुचारू न होने पर स्थानीय लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी प्रज्ञा विहार के लिए नई लाइन बिछाने की मांग की जा रही थी, वह भी पूरी नहीं हुई है। कहा कि यदि जल्द से पेयजल समस्या का निस्तारण नहीं होता है तो शिकायत को सीएम पोर्टल पर दर्ज कर स्थानीय लोग आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस मौके पर हर्षवर्धन सेमवाल, जगदम्बा उनियाल, यशपाल सिंह रावत, कमल किशोर उनियाल आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

होटल और ढाबा स्वामियों के काटे चालान

चमोली : गैरसैंण थाना अध्यक्ष कुलदीप सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने स्थानीय होटलों, ढाबा, ठेलियों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर गहनता से खोजबीन अभियान चलाया। इस दौरान नौ होटल एवं ढाबा संचालक बगैर किसी लाइसेंस या कागजातों के अवैधानिक तौर तरीके से ग्राहकों को शराब परोसते पकड़े गए। पुलिस द्वारा सभी होटल एवं ढाबा संचालकों के विरुद्ध पुलिस ऐक्ट में चालानी करते हुये भविष्य में ऐसा न करने की हिदायत दी गयी। पुलिस की इस कार्यवाही से होटल स्वामियों एवं ढाबा संचालकों में हडकंप मचा है। (एजेंसी)

वन विभाग जंगलों में लगी आग बुझाई

चमोली : लोहबा रेंज के तहत मेहलचौरी बीट के फरसों एवं बिसराखेत का जंगल गत मंगलवार देर शाम से आग से धधक रहा है। आग से लाखों की वन संपदा जल कर खाक हो गयी है। देर शाम आग लगने एवं खड़ी चट्टानें होने के कारण आग ने तेजी से कई हेक्टेयर वन को अपनी चपेट में ले लिया। रेंजर लोहबा रेंज प्रदीप गौड़ ने बताया कि आग लगने की सूचना पर उप वन क्षेत्राधिकारी अवतार रावत, वन दरोगा संरिता नेगी, वन दरोगा जंगवीर बिष्ट, वन बीट अधिकारी अर्जुन राणा, फॉरेस्ट गार्ड गौरव पंवार और फायर वॉचर को आग बुझाने भेजा गया। बताया कि बुधवार को आग पर काबू कर दिया गया है, लेकिन खड़ी चट्टानों पर ठूंठों पर अब भी धुंआ निकल रहा है।

शराब के साथ तीन गिरफ्तार

नई टिहरी : टिहरी पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों के तहत तीन अलग-अलग मामलों में टिहरी पुलिस ने 7 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब वाहन सहित, 8 बोतल और 31 पव्वे और 17 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ आरोपियों को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत सुसंगत धाराओं में कार्रवाई की है।

यह जानकारी देते हुए पुलिस की मीडिया सेल ने बताया कि थाना चम्बा, हिंडोलाखाल व थाना थत्युड़ के तहत कार्यवाही कर शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। विशेष अभियान के तहत बीती रात्रि में उत्तरकाशी रोड से मुखबिर की सूचना पर आरोपी अंकित सकलानी पुत्र सत्यानंद सकलानी निवासी ग्राम ग्राम दांग तल्ला कापल पानी थाना कोतवाली नई टिहरी को कार सहित 7 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया गया है।

नोटिस थमाकर भूला सिस्टम, नासूर बना अतिक्रमण

उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी नहीं हटाया गया अतिक्रमण

कोटद्वार के जिला परिषद मार्केट में सड़क पर सजी दुकानें

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उच्च न्यायालय के आदेश पर किस तरह खानापूर्ति की जाती है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण जिला परिषद मार्केट में देखने को मिल रहा है। जहां न्यायालय के आदेश के बाद जिला पंचायत पौड़ी ने अतिक्रमणकारियों को नोटिस तो थमाए। लेकिन, धरातल पर अतिक्रमण हटाने की जहमत तक नहीं उठाई। नतीजा, अतिक्रमण के कारण संकरी हुई मार्केट की सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल होता जा रहा है। जबकि, पूर्व में शहरवासी कई बार मार्केट को अतिक्रमण मुक्त करवाने की मांग भी उठा चुके हैं।

करीब एक वर्ष पूर्व उच्च न्यायालय ने समस्त विभागों को अपनी नजूल भूमि से अतिक्रमण हटवाने के आदेश दिए थे। इसके बाद दिसंबर 2023 में जिला पंचायत पौड़ी ने जिला परिषद मार्केट के पचास अतिक्रमणकारियों को नोटिस थमाया था। नोटिस में एक सप्ताह के भीतर अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए गए थे। लेकिन, एक वर्ष से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया। यही नहीं, जिला पंचायत पौड़ी भी नोटिस की खानापूर्ति कर गहरी नींद में सो गया। नतीजा, मार्केट में जगह-जगह सड़क पर पसरा अतिक्रमण आमजन के लिए नासूर बनता जा रहा है। कई व्यापारियों ने सड़क पर ही दुकानें सजाई हुई है। ऐसे में पैदल चलने वाले लोगों को हर समय दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है।

आए दिन होता है विवाद

जिला परिषद मार्केट में सड़क के दोनों ओर दुकानें सजी हुई है। ऐसे में दोपहिया वाहन पार्क करना तो दूर पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। पर्याप्त रास्ता नहीं मिलने के कारण कई बार विवाद की स्थिति बनी रहती है। यही नही मार्ग पर लंबा जाम लगने के बाद भी अतिक्रमणकारी अपना सामान हटाने तक की जहमत नहीं उठाते। पूर्व में शहरवासियों ने समस्या से उपजिलाधिकारी सहित अन्य उच्चाधिकारियों को भी अवगत करवाया था। लेकिन, अधिकारी भी जनसमस्या को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहे।

बिजली के अप-डाउन से खराब हो रहे विद्युत उपकरण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम के अंतर्गत वार्ड नं. 6 काशीरामपुर तल्ला की प्रीतम विहार गली निवासियों को आजकल बिजली के अप डाउन के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली के इस अप डाउन के कारण उनके घरेलू बिजली उपकरण जल गए हैं। इससे परेशान क्षेत्र की महिलाओं ने स्थानीय पार्षद सूरज प्रसाद कांति के नेतृत्व में विद्युत वितरण खंड कोटद्वार के उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है क्षेत्र में लंबे समय से बिजली के उतार चढ़ाव के कारण स्थानीय निवासियों के पंखे, कूलर सहित अन्य घरेलू उपकरणों को नुकसान पहुंचा है। कहा कि पूर्व में संबधित अधिकारियों को अवगत कराने के बाद भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है।चेतावनी दी कि इस संबध में शीघ्र कार्रवाई न होने पर वे आंदोलन पर बाध्य होंगे। ज्ञापन सौंपने वालों में नीता नेगी, सरोजनी रावत, प्रेमा रावत, राजेश्वरी देवी और परमेश्वरी देवी आदि थे।

विनय किशोर रावत बनें समिति के अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : कण्वाश्रम ग्राम स्वराज्य समिति की ओर से कौड़िया क्षेत्र में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें समिति की नई कार्यकारणी का गठन करते हुए विनय किशोर रावत को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई। जबकि, सरंक्षक की जिम्मेदारी पूरण सिंह रावत, सुरेंद्र लाल आर्य को दी गई। बुधवार को आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से अध्यक्ष विनय किशोर रावत, उपाध्यक्ष विमल रावत, सचिव नेत्र सिंह रावत, उप सचिव यशपाल सिंह बिष्ट, कोषाध्यक्ष शूरबीर सिंह खेतवाल को बनाया गया है। सलाहकार मंडल की जिम्मेदारी राकेश कुमार अग्रवाल, डा. बीसी शाह, बिजेंद्र सिंह नेगी, डा. गीता रावत शाह को दी गई। समिति का संरक्षक पूरण सिंह रावत, सुरेंद्र लाल आर्य को बनाया गया है। जबकि, सदस्य की जिम्मेदारी मयंक प्रकाश कोठारी, डॉ. शील सौरभ रावत, सुरेंद्र सिंह ,गौरव रावत को दी गई। नवनियुक्त सदस्यों ने संगठन के माध्यम से समाज सेवा में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

समिति के चुनाव 25 मई को करवाने का निर्णय

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : सेवानिवृत्त वन अधिकारी एवं कर्मचारी कल्याण समिति की बैठक में समिति के चुनाव 25 मई को करवाने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण का भी संकल्प लिया गया। पनियाली गेस्ट हाउस में बैठक का आयोजन किया गया। राजेंद्र पंत की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 25 मई को समिति का चुनाव करवाया जाएगा। बैठक में मानसून सत्र में पौधा रोपण करने पर विचार विमर्श किया गया। कहा कि पौधा रोपण के लिए लैंसडौन वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी से पौध रोपण स्थल व पौधों की उपलब्धता के लिए संपर्क किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि फायर सीजन में जरूरत पड़ने पर समिति के लोग वन विभाग को सहयोग करेंगें। इस मौके पर दिनेश घिल्डियाल, अनिल कुकरेती, धर्मानंद ध्यानी, नथू सिंह अधिकारी, सुरेश मधवाल आदि मौजूद रहे।

बीडीओ ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पण

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के ग्राम पंचायत पैण्डुला में नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र का बुधवार को लोकार्पण किया गया। खंड विकास अधिकारी सुमनलता ने पैण्डुला में 10 लाख रुपये से निर्मित आंगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पण किया।

इसमें एक हॉल के साथ, एक स्टोर रूम, एक किचन और अलग से एक शौचालय की व्यवस्था है। बतौर मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी सुमनलता ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र में ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के लिए पूरक पोषक, स्वास्थ्य और पोषण शिक्षा, प्री-स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं। कहा कि महिलाओं के लिए पोषण और स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक समर्थन सहायता और परामर्श के अलावा कुछ आंगनबाड़ी केंद्र महिलाओं को आय के अवसर भी देते हैं। बाल विकास की सुपरवाइजर ललित धनाई ने राज्य सरकार की ओर से संचालित बाल विकास की योजना के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को महालक्ष्मी किट, नंदा गौरा योजना के अंतर्गत बालिका के जन्म में 11 हजार व इंटर पास करने वाली बालिकाओं को 51 हजार की धनराशि दी जाती है। कार्यक्रम में निवर्तमान प्रधान पैण्डुला सुनय कुकशाल ने कहा कि ग्रामीण लम्बे समय से आंगनबाड़ी केंद्र की मांग कर रहे थे। कहा कि पूर्व से ही आंगनबाड़ी केंद्र पंचायत भवन में ही संचालित किया जा रहा था।

कहा कि अब आंगनबाड़ी केंद्र बनने से बच्चों में खुशी की लहर है। इस मौके पर सहायक खंड विकास अधिकारी राजेंद्र गुसांई, उप कार्यक्रम अधिकारी दिनेश, संजय बलोनी, पुष्पा देवी, अर्चना बडोनी, रश्मि डंगवाल, सविता डंगवाल, सराजेनी देवी, पुनम पंत, बीना देवी, दीपा देवी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

वाद विवाद प्रतियोगिता में तीलू रौतेली सदन रहा अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत यूनिकस अकादमी में अंतर-सदनीय हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें तीलू रौतेली सदन ने अव्वल स्थान प्राप्त किया। आयोजित प्रतियोगिता में 70 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

अकादमी के निदेशक अभय रावत ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ अन्य प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने चाहिए। प्रधानाचार्य मान सिंह सुब्बा ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए आयोजित प्रतियोगिता का विषय 'क्या तननीक ने बच्चों के जीवन को प्रभावित किया' था। प्रतियोगिता में तीलू रौतेली सदन नसे मयंक रावत, गौरा देवी सदन से शिवांश नेगी, जसवंत सिंह रावत सदन से जाहनवी दानी ने अव्वल स्थान प्राप्त किया। अंतिम राउंड में विद्यार्थियों ने तर्क व आत्मविश्वास से संबंधित प्रस्तुतियां दी।

विद्यार्थियों को बताए आग पर काबू पाने के तरीके

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गाड़ीघाट स्थित हैरिटेज एकेडमी में अग्निशमन विभाग की ओर से एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को आग पर काबू पाने के तरीके बताए गए। इस दौरान जानकारी को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की भी अपील की गई। कहा कि आग से बचाव के लिए आमजन का जागरूक होना आवश्यक है। बुधवार को अग्निशमन अधिकारी रमेश चंद्र के नेतृत्व में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को आग लगने के मुख्य कारणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। दमकल कर्मियों ने माक ड्रिल के माध्यम से विद्यार्थियों को आग से बचाव के तरीके भी बताए। कहा कि आग जैसी घटना होने पर हमें घबराने के बजाय संयम से कार्य करना चाहिए। आग की सूचना तुरंत दमकल विभाग को दें। दमकल कर्मियों ने खुले मैदान में आग लगाकर उस पर काबू पाने के गुर भी सिखाए। कहा कि विद्यार्थियों को अग्निशमन उपकरणों की भी पूर्ण जानकारी होनी चाहिए। जिससे मुसीबत के समय उनका आसानी से उपयोग किया जा सकें। इस मौके पर रणधीर सिंह, योगेश कुमार, मनोज कुमार, नितिन पेटवाल आदि मौजूद रहे।

बच्चों को आग से बचाव के तरीके बताते दमकल कर्मी

पेयजल लाइन बिछाने में हो रही लापरवाही पर जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर में पेयजल लाइन बिछाने के नाम पर हो रही लापरवाही पर कांग्रेस कमेटी ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि सड़कों पर बेतरतीब तरीके से खोद गया है। जिससे वर्षाकाल में जलभराव की समस्या हो सकती है। साथ ही बदहाल सड़क पर दुर्घटनाओं का भी अंदेशा बना हुआ है। बुधवार को जिलाध्यक्ष विनोद डबराल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। कहा कि शहर में पेयजल लाइन बिछाने का कार्य चल रहा है। लेकिन, उक्त कार्य में लापरवाही दिखाई जा रही है। कंपनी ने सड़क काटने के लिए लोक निर्माण विभाग से कोई एनओसी भी नहीं ले रखी है। कंपनी के कर्मचारी पाइप लाइन बिछाने के नाम पर सड़कों को बेतरतीब ढंग से काट रहे है, जिससे सड़कों पर गहरे गड्ढे हो गए हैं और जिससे वाहनों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पैदल चलने वाले लोग भी गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। कहा कि सड़कों को बेतरतीब खोदे जाने का विरोध करने पर कंपनी के कर्मचारी अभद्रता पर उतारू हो रहे हैं। कहा कि कंपनी को सड़कों को खोदने के लिए आधुनिक मशीनों का प्रयोग करना चाहिए, जिससे सड़कों को ज्यादा नुकसान न पहुंच सके। उन्होंने मुख्यमंत्री से संबधित विभाग पर उचित कार्यवाही करने के लिए निर्देशित करने की मांग की है। इस मौके पर रंजना रावत, प्रवेश रावत, बलवीर सिंह रावत, शीला भारती, गोपाल सिंह, प्रेम सिंह पयाल, केशन सिंह चौहान, देवेंद्र सिंह, लक्ष्मी चौहान, भारत सिंह चौहान मौजूद रहे।

कोटद्वार में एसडीएम सोहन सिंह सैनी को ज्ञापन देते कांग्रेस कार्यकर्ता

अन्नपूर्णा मेले में उमड़ी लोगों की भीड़

नई टिहरी : तीर्थनगरी देवप्रयाग में बैशाख माह के आखिरी अन्नपूर्णा मेले में इस बार रिकॉर्ड भीड़ उमड़ी। नगर के समीप तुणगी गांव में ऐतिहासिक अन्नपूर्णा मेले की 51 साल पहले पशुबलि जैसी बर्बर प्रथा के खिलाफ शुरुआत की गयी थी।

प्रसिद्ध विद्वान स्व. आचार्य चक्रधर जोशी व समाजसेवी भारती सिंह ने समाज में नई दिशा देते हुए अन्नपूर्णा मेले की शुरुआत की थी। इसके प्रभाव से क्षेत्र के अन्य मेलों में भी पशुबलि जैसी कुप्रथा धीरे-धीरे बन्द हो गयी। तीर्थनगरी के निकट आयोजित एकमात्र मेले में नगर वासियों व ग्रामीणों ने एक साथ देश व क्षेत्र की सुख शांति के लिए मां अन्नपूर्णा की पूजा-अर्चना की। वहीं ढोल-नगाडों के साथ मन्दिर में देवी का नया ध्वज फहराया गया।

मुस्लिम महिलाओं को सशक्त बना रही सरकार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : हज कमेटी की नवनियुक्त सदस्य रिजवाना परवीन का भाजपा कार्यकर्ताओं व पदधिकारियों ने स्वागत किया। इस दौरान रिजवाना परवीन ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार मुस्लिम महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है।

बुधवार को भाजपा कार्यालय में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान रिजवाना परवीन ने कहा कि मुस्लिम समुदाय की महिलाओं को अधिक से अधिक सरकार की योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए।

कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक समाज की महिलाओं को आगे बढ़ाना है। इसके लिए सरकार पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है। कहा कि महिलाएं हज से संबंधी सुझाव दे सकें इसके लिए सरकार ने हज कमेटी का गठन किया हुआ है। भाजपा नगर मंत्री मोहम्मद कासिफ ने कहा सरकार मुस्लिम महिलाओं को सशक्त बना रही है। इससे महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, मोहम्मद इमरान, उमेश त्रिपाठी, वीरेंद्र रावत, विकासदीप मित्तल, मोहन सिंह नेगी, पंकज भाटिया, दीपू पोखरियाल, मोहम्मद काशिफ, ताजुद्दीन, मोहम्मद शमशाद आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार भाजपा कार्यालय में हज कमेटी की नवनियुक्त सदस्य रिजवाना परवीन का स्वागत करते सदस्य

भारतीय सेना के नाम पर चालक से लाखों की ठगी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारतीय सेना के जवानों को नैनीताल से हरिद्वार छोड़ने के नाम पर एक चालक से लाखों की ठगी करने वाले आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने बताया कि इस संबंध में कोटद्वार निवासी अर्जुन सिंह रावत की ओर से कोतवाली में तहरीर दी गई थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि वह एक चालक हैं। 11 जनवरी को उनके वाट्सएप नंबर पर एक फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने बताया कि वह भारतीय सेना का कर्नल है। सेना के कुछ जवानों को नैनीताल से हरिद्वार जाना है। बताया कि व्यक्ति पर भरोसा कर उन्होंने इसके लिए हामी भर दी। जिसके बाद व्यक्ति ने उनसे अपने बैंक खाते से संबंध में जानकारी मांगी। बताया कि जब उन्होंने व्यक्ति को बैंक खाते से संबंधित जानकारी दी तो उनके खाते से एक लाख 94 हजार 997 रुपये कट गए। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर मध्य प्रदेश छतरपुरा निगमोया निवासी संदेपी जामले व ग्राम आर्या देवास निवासी अंकित को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया गया।

कोतवाली पुलिस की हिरासत में आरोपी

परिवारों को टूटने से बचा रही पुलिस की महिला काउंसलिंग सेल

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिले की महिला काउंसलिंग सेल वर्ष 2022 से अप्रैल 2025 तक 690 दंपत्तियों की काउंसलिंग कर चुकी हैं। पुलिस की महिला काउंसलिंग इकाई दंपतियों की काउंसलिंग कर परिवारों को टूटने से बचा रही है।

पुलिस की ओर से पुलिस कार्यालय पौड़ी, पुलिस क्षेत्राधिकारी कार्यालय कोटद्वार और महिला थाना श्रीनगर में महिला काउंसलिंग सेल खोले गए हैं। इसके अलावा हर थाने में महिला हेल्प-डेस्क बनाए गए हैं।

इन स्थानों पर दंपति के बीच विवाद सुलझाने के साथ ही महिलाओं की सहायता की जाती है। महिला काउंसलिंग सेल में वर्ष 2022 में 254 शिकायतें दर्ज हुई थी। जिनमें काउंसलिंग के बाद महिला काउंसलिंग सेल ने 125 दंपत्तियों के बीच हुए विवाद को सुलझाया। वर्ष 2023 में प्राप्त 233 शिकायतों में 117, वर्ष 2024 में 153 में 71 और अप्रैल 2025 तक प्राप्त 50 शिकायतों में से 21 दंपति के विवाद सुलझाए गए हैं। महिला काउंसलिंग सेल इंचार्ज एसआई अनीता नेगी ने बताया कि शिकायत दर्ज होने के बाद सभी की काउंसलिंग की जाती है। यदि सामान्य स्तर से विवाद न सुलझाया जाय तो ऐच्छिक ब्यूरो में मामला रखा जाता है। ऐच्छिक ब्यूरो में शामिल पुलिस क्षेत्राधिकारी, उप अभियोजन अधिकारी, वन स्टॉप सेंटर के प्रतिनिधि और मनोचिकित्सक संबंधित दंपति की काउंसलिंग करते हैं। यदि कोई दंपति साथ में नहीं रहना चाहता है तो वे कोर्ट में अपना वाद रख सकते हैं। यदि किसी मामले में आपराधिक पहलू दिखता है तो संबंधित पर मुकदमा दर्ज किया जा सकता है।

पीएचडी कोर्सवर्क में पंजीकरण को लेकर बैठक आयोजित

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय में नए सिरे से समर्थ पोर्टल में प्री पीएचडी कोर्सवर्क हेतु पंजीकृत हुए छात्रों के साक्षात्कार के संबंध में बैठक आयोजित हुई। बैठक में शोध एवं प्रसार निदेशालय के निदेशक प्रो. जगत सिंह बिष्ट ने बताया कि समर्थ पोर्टल में पंजीकृत हुए विद्यार्थियों के लिए पीएचडी कोर्सवर्क का साक्षात्कार 18 मई को पूर्वाह्न 10:00 बजे से होगा।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियंता/II/मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार नहीं होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	39-DRM-MB-25-26 Date : 13.05.2025
कार्य का नाम	Repair to LHS to prevent seepage with use of CC grout, PU grout, repair to approach road, sumpwell, drainage system, height gauge and other related misc work at various LHS in ON-BLM, BLM-SPC and RAC-SPC section under jurisdiction of ADEN/II/HRI.
टेन्डर क्लोसिंग/दिनांक/समय	06.06.2025 16:00
अनुमानित लागत	1,64,56,189.13
धरोहर राशि	2,32,300.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	23.05.2025
आफर की वैधता	60 दिन
कार्य पूर्ण करने की अवधि	09 माह

टेन्डर नं. 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 13.05.2025 1413/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

पत्रांक : 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 13.05.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपोजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	33-DRM-MB-25-26 dt. 13.05.2025	38-DRM-MB-25-26 dt. 13.05.2025
Name of work	Cess repair work at Km 1381-1407 in MB-BE section in the jurisdiction of SSE/Pway/MB under ADEN/HQ/MB.	Improvement to Gang Huts in the section of SSE/P.way/MB under ADEN/HQ/MB & Heavy Repair of road surface at various Level Crossings in the section of SSE/W/CH under ADEN/CH
Tender Closing Date Time	06.06.2025	06.06.2025
Advertised Value (Rs.)	5892842.30	5499994.89
Earnest Money (Rs.)	117900.00	110000.00
Tender Cost (Rs.)	00	00
Bidding Start Date	23.05.2025	23.05.2025
Period of Completion	06 Month	06 Month

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1415/25

डॉक्टर बनना चाहती है शानवी भट्ट

रुद्रप्रयाग : मुख्यालय स्थित अनूप नेगी मैमोरियल पब्लिक स्कूल गुलाबराय की 12वीं की छात्रा शानवी भट्ट ने 91.40 प्रतिशत सर्वोच्च अंक प्राप्त कर विद्यालय के साथ ही जनपद का नाम गौरवान्वित किया है। अनूप नेगी मैमोरियल के प्रधानाचार्य डीएस रावत, प्रबन्धक सच्चिदानंद देवली, विद्यालय के उप प्रधानाचार्य मीना भारती, चन्द्र लेखा, विकास उनियाल, शरत चन्द्र, शेखर नेगी, सुमन लता देवली ने शानवी के साथ ही सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी। शानवी भट्ट ने हाई स्कूल की परीक्षा वर्ष 2023 मे अनूप नेगी मैमोरियल से प्राप्त कर 86 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे।

शुद्धिकरण

छावनी परिषद्, लैन्सडौन (पौड़ी गढ़वाल)

कोटेशन नोटिस (द्वितीय सूचना)

छावनी परिषद् चिकित्सालय लैन्सडौन हेतु दवाइयों, शल्य सामग्री, एक्स-रे फिल्म, लैब सामग्री, ड्रेसिंग, फिजियोथेरपी सामग्री इत्यादि हेतु इच्छुक सप्लायरों/वितरकों/उत्पादकों से ऑनलाईन कोटेशन www.defproc.gov.in वेबसाईट पर आमंत्रित की जाती है जो कि दिनांक 07.05.2025 को प्रकाशित की गई थी। उसमें निम्न प्रकार से शुद्धिकरण किया गया है :-

कोटेशन फार्म ऑन लाईन भरने की तारीख	28 मई 2025 समय 1100 बजे के स्थान पर 03 जून 2025 समय 1100 बजे पढी/समझी जाये
कोटेशन खोलने की तारीख	29 मई 2025 समय 1130 बजे के स्थान पर 04 जून 2025 पढी/समझी जाये।

कोटेशन फार्म www.defproc.gov.in वेबसाईट पर ऑनलाईन भरे जाएंगे व कोटेशन से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें भी इसी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

पत्रांक सं0 1110/ दवाईयॉ/25-26/छा0परि0 मुख्य अधिशासी अधिकारी

दिनॉक:.....मई 2025 छावनी परिषद् लैन्सडौन।

(0979/57)

संक्षिप्त समाचार

उत्कृष्ट विद्यालयों में छात्रों को समुचित सुविधाएं मिलें

नई टिहरी : जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने शिक्षा विभाग के उत्कृष्ट प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के चयन, संचालन को लेकर बैठक ली। बैठक में ब्लॉकवार चयनित स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं से लेकर छात्र संख्या, न्यूनतम दूरी की जानकारी दी गई। बताया कि सभी मानकों का ख्याल रखते हुए 148 प्राथमिक और 24 उच्च प्राथमिक उत्कृष्ट विद्यालय के लिए चिन्हित किए गए हैं। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक डीएम मयूर दीक्षित ने खंड शिक्षाधिकारियों के द्वारा प्रस्तुत आख्या के आधार पर कुल 12 उत्कृष्ट स्कूलों के पुनर्निर्माण, वृहद मरम्मत का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। स्कूलों में कक्षा-कक्ष वृहद मरम्मत, कंप्यूटर, स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय की व्यवस्था किए जाने के साथ ही छात्रों के लिए वाहन व्यवस्था, शौचालय, पेयजल, विद्युत के भी निर्देश दिए। डीएम ने परिषदीय परीक्षाफल 2025 में कम परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों की भी समीक्षा करते हुए संबंधित को भविष्य में बेहतर शिक्षण कार्य पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित बीईओ को भी कम प्रतिशत वाले स्कूलों की विषयवार समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस मौके पर सीईओ एसपी सेमवाल, डीईओ वीपी सिंह, ईई लोनिवि योगेश कुमार आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

कार से सड़क पर स्टंट करने वाले चार गिरफ्तार

हरिद्वार। भेल के मार्ग पर कार से स्टंट करने वाले चार आरोपियों को रानीपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। । स्टंट का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ था। जिसके बाद हरकत में आई पुलिस ने कार्रवाई की। बताया गया कि मंगलवार की रात एक कार में सवार चार युवकों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसके बाद पुलिस ने बुधवार को कार नंबर की मदद से पहचान कर चार युवकों को गिरफ्तार किया है। रानीपुर कोतवाली प्रभारी कमल मोहन भंडारी ने बताया कि कुशाग्र गुप्ता पुत्र राकेश गुप्ता निवासी फ्लेट निवासी क्लेमन्टाउन देहरादून, आर्यन गुप्ता पुत्र श्री दीपक गुप्ता, हर्ष गुप्ता उर्फ मोन्टी पुत्र अनिल गुप्ता निवासीगण जनकनगर थाना जनकनगर जिला सहारनपुर यूपी और गौरव गुप्ता पुत्र रविन्द्र कुमार निवासी मकान नंबर 141 मोहल्ला बानसौ गैट वाल्मीकि चौक थाना सीटी करनाल को गिरफ्तार किया है।

दिल्ली पब्लिक स्कूल रानीपुर का दसवीं एवं बारहवीं का रिजल्ट रहा शानदार

हरिद्वार। दिल्ली पब्लिक स्कूल रानीपुर में कक्षा बारह की हेमान्या वशिष्ठ ने 98.8 प्रतिशत अंक लेकर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं प्रथम शर्मा ने 98.6 अंक लाकर दूसरा तथा अद्वैत मिश्रा ने 98.2 अंक लाकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के 66 बच्चों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। एकाउंटेंसी में हर्षित, अनुज ने 100 अंक प्राप्त किए। एआई विषय में पावनी, नैना, डॉलप्रिया ने 100 अंक प्राप्त किए। जीवविज्ञान में अग्राहया राठौर ने 100, रसायन विज्ञान में प्रथम, अद्वैत, यश एवं अम्बुज ने 100 अंक प्राप्त किए। भूगोल में हेमान्या वशिष्ठ, वृंदा तथा पार्थ सरथी ने 100 अंक प्राप्त किए।गणित में यश और शिवांश वर्मा ने 100 अंक प्राप्त किए राजनीतिक विज्ञान में सृष्टि चौबे ने 100 मनोविज्ञान में प्रथम तथा हेमान्या ने 100 अंक प्राप्त किए। चित्रकला में सिद्धी, वर्तिका, सान्वी, अनन्या, प्रिया स्नेहा, हरजोत, अवनी, प्रांजल आद्या, रिया एवं स्वस्ती ने 100 अंक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवांवित किया।

मई माह में आयोजित होंगे विभिन्न जन–जागरुकता अभियान

अल्मोड़ा। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के निर्देशानुसार और जनपद न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अल्मोड़ा के अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय के मार्गदर्शन में, सचिव शचि शर्मा के निर्देशन में मई माह के दौरान जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विविध विषयों पर जागरुकता अभियान आयोजित किए जाएंगे। अभियानों की शुरुआत बुधवार को 'बाल विवाह मुक्त उत्तराखण्ड' विषयक तीन दिवसीय अभियान से हुई, जिसके अंतर्गत समुदायों में बाल विवाह की कुप्रथा के खिलाफ जनजागरुकता फैलाई जा रही है। इसके बाद 17 और 18 मई को 'बाल श्रम मुक्त उत्तराखण्ड' दो दिवसीय अभियान चलेगा, जिसमें बाल श्रम की रोकथाम को लेकर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित होंगे। 19 और 20 मई को 'उड़ान झ्र शोषण से स्वतंत्रता' विषय पर दो दिवसीय अभियान के तहत बच्चों को शोषण से सुरक्षा के कानूनी उपायों की जानकारी दी जाएगी।

एक चिराग जो दूसरों के घरों को रोशन कर चल दिया

समाजसेवी उद्योगपति सुंदर सिंह चौहान के निधन से सतपुली नयारघाटी में शोक की लहर

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : बेसहारों का सहारा दीन दुःखियों की एक मजबूत आवाज और जरूरतमंद लोगों की समस्याओं का समाधान करने वाले नयार घाटी सतपुली के उद्योगपति ठाकुर सुंदर सिंह चौहान का निधन हो गया। बुधवार सुबह तड़के 4:00 बजे एम्स ऋषिकेश में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार पैतृक भागीरथी घाट टिहरी गढ़वाल में किया गया। उनके निधन पर व्यापार मंडल सतपुली, पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत, पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, पर्यटन मंत्री सतपाल महराज, पूर्व शिक्षा मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी, पंचायत के जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और पत्रकारों ने शोक व्यक्त किया।

दो दिन पहले ठाकुर सुंदर सिंह चौहान का स्वास्थ्य खराब होने पर उन्हें एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया।

जहां उन्होंने बुधवार सुबह अंतिम सांस ली। उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए उनके निवास स्थान कर्मभूमि मलेठी सतपुली लाया गया। जहां लोगों ने उनके अंतिम दर्शन किये। उत्तराखंड की आवाज जो राज्य निर्माण के लिए शुरू हुई उस संघर्ष में ठाकुर सुंदर सिंह चौहान का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने लैंसडौन विधानसभा से उत्तराखंड क्रांति दल से चुनाव लड़ा, उसके बाद 2017 में चौबट्टाखाल विधानसभा से भी निर्दलीय चुनाव लड़ा।

चुनाव में दोनों बार असफल होने के बावजूद उन्होंने समाजिक सरोकारों से मुंह नहीं मोड़ा। उन्होंने गरीब और असहाय निराश्रित लोगों के लिए वृद्ध आश्रम खोला, जहां गरीब निराश्रित विधवाओं की कन्याओं की निःशुल्क शादी भी करवाई जाती थी। उन्होंने 100 कन्याओं का शादी करवाने का संकल्प लिया था। एक ऐसा शख्स उत्तराखंड ने खो दिया है, जिसकी कमी पूरी नहीं की जा सकती है। उन्होंने हजारों लोगों को जीने का रास्ता सिखाया और जीवन में कुछ करने की सीख दी। उनके दो पुत्र है, त्रिलोक सिंह चौहान और जितेंद्र सिंह चौहान वर्तमान सतपुली नगर पंचायत अध्यक्ष है।

ज्वाल्पा देवी मंदिर में 7 जून से शुरू होगा शप्तचंडी पाठ

रुद्रप्रयाग : जखोली ब्लाक के नंदवाण गांव में स्थित ज्वाल्पा देवी मंदिर में 7 जून से पांच दिवसीय शप्तचंडी पाठ का आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर स्थानीय लोगों ने मंदिर में रंग-रोगन एवं साफ सफाई व सजाने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। लंबे समय बाद हो रहे धार्मिक कार्यक्रम को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह का माहौल बना है।

नंदवाण गांव स्थित ज्वाल्पा देवी मंदिर में 7 जून से 11 जून तक भव्य और दिव्य शप्तचंडी पाठ का आयोजन किया जाएगा। 7 जून को कलश यात्रा के साथ कार्यक्रम का श्री गणेश होगा। प्रतिदिन मंदिर में क्षेत्र की खुशहाली एवं समृद्धि के लिए वैदिक मंत्रों के साथ पूजन और पाठ का आयोजन होगा। मंदिर में प्रत्येक 5 वर्ष में विशेष पूजन अर्चन का कार्यक्रम होता है। उक्त धार्मिक कार्यक्रम को लेकर भक्तों में खासा उत्साह दिख रहा है।

अटल उत्कृष्ट राइंका चाकीसैंण में हाईस्कूल में नीमा और इंटर में सुनीता ने किया टॉप

थलीसैंण : थलीसैंण ब्लॉक के अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज चाकीसैंण का सीबीएसई हाईस्कूल और इंटर 2025 का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा। विद्यालय स्तर पर हाईस्कूल में नीमा ने 75 प्रतिशत अंक एवं इंटर में सुनीता ने 80.1 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य आर.एस. रावत ने कहा कि हाईस्कूल में 46 छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए और सभी उत्तीर्ण हुए। विद्यालय स्तर पर हाईस्कूल में नीमा ने 75 प्रतिशत अंक एवं सोनिया ने 72 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। वही इंटर की परीक्षा में 42 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे, परीक्षा में 41 छात्र-छात्राएं शामिल हुए और सभी छात्र-छात्राएं उतीर्ण हुए। इंटर में 22 छात्र-छात्राओ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इंटर में सुनीता ने 80.1 प्रतिशत, सागर ने 77.8 प्रतिशत, कृष्णा 73.6 प्रतिशत एवं सोनामय 70.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। प्रभारी प्रधानाचार्य छात्रों की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभी छात्र-छात्राओ को बधाई और भविष्य की शुभकामनाएं दी। कहा कि समस्त शिक्षकों एवं छात्रों की मेहनत से विद्यालय का परीक्षाफल शतप्रतिशत रहा है। कहा कि हम सभी को मिलकर आने वाली परीक्षाओं मे और बेहतर प्रदर्शन करना है। विद्यालय के शत प्रतिशत परिणाम पर अभिभावक शिक्षक संघ के अध्यक्ष बी.एस. नेगी ने खुशी जताई।

परीक्षाओं की मुख्यालय से की जा रही निगरानी: जोशी

नई टिहरी : विश्वविद्यालय की सत्र 2025 की स्नातक सम सेमेस्टर, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष वार्षिक पद्धति तथा स्नातकोत्तर द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त राजकीय, अशासकीय एवं स्ववित्त पोषित संस्थानों में बीती 13 मई से शुरू हो चुकी हैं।

यह जानकारी देते हुए श्रीदेव सुमन विवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी ने बताया कि इन परीक्षाओं में कुल 88 हजार से अधिक छात्र-छात्राएं सम्मलित हो रहे हैं। बताया कि उन्होंने विश्वविद्यालय से सम्बद्ध देहरादून के विभिन्न परीक्षा केंद्रों के तहत तुलाज इन्स्टिट्यूट, निम्बस एकेडमी, डीएमआईटी, नव चेतना कालेज के परीक्षा केन्द्रों का गहनता से निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण के दौरान इन परीक्षा केन्द्रों में सारी व्यवस्थाएं चाकचौबंद पायी गई हैं। बुधवार को विश्वविद्यालय की बीएससी (रसायन विज्ञान, गणित एवं वनस्पति विज्ञान), बीए (गणित, कला एवं राजनीति विज्ञान) एवं बीकाम की परीक्षाएं सम्पादित की जा रही हैं। निरंतर औचक निरीक्षण कर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध शैक्षिक संस्थानों की परीक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और पारदर्शी बनाए रखने का काम किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान संस्थानों को परीक्षा को पारदर्शी बनाने के भी निर्देश दिये गये हैं। बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा प्रथम बार निजी स्ववित्त पोषित संस्थानों के परीक्षा केन्द्रों में स्थापित किये गये सीसीटीवी का नियंत्रण विवि ने अपने पास रखा है। जिससे परीक्षा केन्द्रों के साथ-साथ स्ट्रांग रूम की निगरानी भी विश्वविद्यालय मुख्यालय से की जा रही है।

स्थिरता को उच्च शिक्षा में एक अतिरिक्त चीज के रूप में नहीं देखा जाएं

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा आयोजित फैकल्टी इंडक्शन (गुरु दक्षता) कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं एमडी यूनिवर्सिटी रोहतक के प्रतिष्ठित प्रोफेसर प्रो. रमेश चंद्र कुहाड ने कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कहा कि अनुसंधान उच्च शिक्षा का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। कहा कि यह नया ज्ञान उत्पन्न करता है और अकादमिक नीव को मजबूत करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए चौरास परिसर के निदेशक और ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राजेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि शोध और उसके व्यावहारिक अनुप्रयोग स्थिरता के सिद्धांत पर आधारित होने चाहिए। कहा कि स्थिरता को उच्च शिक्षा में एक अतिरिक्त चीज के रूप में नही देखा जाना चाहिए। इसे अकादमिक ढांचे का एक अभिन्न अंग होना चाहिए और सभी विषयों के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। इस मौके पर मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के कार्यवाहक निदेशक डॉ. राहुल कुंवर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में देश के 19 विभिन्न राज्यों से कुल 78 संकाय प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

20 मई तक हेमकुंड साहिब यात्रा की सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद करें

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बुधवार को हेमकुंड साहिब यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने यात्रा से जुड़े सभी संबंधित विभागों को 20 मई तक सारी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद करने के निर्देश दिए। उन्होंने ईडीसी को यात्रा मार्ग लगाए गए बेंच, पानी के नल, माइल स्टोन आदि के रखरखाव करने और शुलभ इन्टरनेशनल को हेमकुण्ड यात्रा मार्ग पर शौचालयों को सुचारू करने के निर्देश दिए। विदित है कि इस बार हेमकुण्ड साहिब व लोकपाल मंदिर के कपाट 25 मई को खुलेगें।

जिलाधिकारी ने पीएमजीएसवाई को मिशन मोड पर गोविन्दघाट से पुलना तक सड़क में प्रोटेक्शन वर्क, गड्ढे भरने और जेसीबी लगाकर सड़क को सुचारू करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीडब्लूडी को पुलना से हेमकुण्ड साहिब तक रैलिंग, साइनेज लगाने और अटलाकोटी में मेडिकल रिलीफ पोस्ट के प्री फैबरिक सेड को तेजी से पूर्ण करने के साथ ही गोविन्दघाट में वैली ब्रिज को यात्रा से पूर्व सुचारू करने व वैली ब्रिज पर वाहन क्षमता के साइनेज लगाने को कहा। जल संस्थान को यात्रा मार्ग पर पेयजल व्यवस्था और विद्युत विभाग को विद्युत आपूर्ति सूचारू करने को कहा। उन्होंने सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य व पशुपालन सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारियों की टीम हेमकुण्ड साहिब भेजने और गुरूद्वारा प्रबंधन और ईडीसी से समन्वय स्थापित करते हुए अपने-अपने विभाग से संबंधित कामों को देखने और जो कमियां हैं उन्हें समय से दूर करने के निर्देश दिए। ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो। उन्होंने पशुपालन विभाग को घोड़े खच्चरों का बीमा करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, जिला पर्यटन अधिकारी बृजेन्द्र पाण्डेय, सीएमओ अभिषेक गुप्ता, एसई जल संस्थान सुशील कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

देवप्रयाग विस क्षेत्र के स्कूलों को मिलेगी वाईफाई की सुविधा

नई टिहरी : देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र के 407 राजकीय इंटर कॉलेज, हाईस्कूल, जूनियर हाईस्कूल और बेसिक स्कूलों में बीएसएनएल डिजिटलाइजेशन के लिए वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराएगा। दूरस्थ क्षेत्र के इन स्कूलों में अभी तक संचार कनेक्टिविटी नहीं थी, जिस कारण वह भारत सुविधा से वंचित थे। लेकिन अब केंद्र सरकार की योजना के तहत वंचित स्कूलों को वाईफाई से जोड़ने की योजना शुरू होने वाली है। बुधवार को यहां आयोजित बैठक में देवप्रयाग के विधायक विनोद कंडारी ने बताया कि उन्होंने अपनी विधानसभा के अधिकांश स्कूलों को विधायक निधि से डिजिटल/स्मार्ट बोर्ड उपलब्ध कराए हैं। आधुनिक और तकनीकी शिक्षा की दृष्टि से यह जरूरी है। लेकिन दूरस्थ क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क और शैडो एरिया के चलते डिजिटल बोर्ड के संचालन में दिक्कत आ रही थी। गत माह उन्होंने केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव से इस संबंध में चर्चा की। बताया कि अब बीएसएनएल ने देवप्रयाग और कीर्तिनगर ब्लॉक के 407 राजकीय स्कूलों में वाईफाई लगाने की सहमति दे दी है। जिसकी डीपीआर तैयार की गई है। बताया कि जल्द ही इन स्कूलों में स्मार्ट कक्षाएं शुरू होंगी। विधायक ने बताया कि भारत दर्शन के कार्यक्रम के तहत देवप्रयाग विधानसभा के मेधावी छात्र-छात्राओं को इस बार गुजरात की सैर कराने की योजना है। विधायक ने कहा कि उन्हें खुशी है कि, इस योजना को सीएम पुष्कर सिंह धामी ने पूरे प्रदेश के लिए भी लागू किया है। बताया कि भारत भ्रमण योजना का परिणाम काफी सुखद रहा है। इससे छात्र-छात्राओं के बीच स्पर्धा बढ़ी है। इस बार देवप्रयाग और कीर्तिनगर ब्लॉक में पूरे जिले की अपेक्षा मेधावियों की संख्या बढ़ी है। विधायक ने बताया ग्वालना के लिए सड़क और कोटेश्वर में पुल निर्माण की स्वीकृति मिली गई है। पुल बनने से तीन विधानसभा आपस में कनेक्ट होंगी। बताया कि देवप्रयाग में संगम स्थल पर 1.50 करोड़ की लागत से टफन ग्लास का सेल्फी प्वाइंट बनाया जा रहा है। पीएमजीएसवाई के तहत 47 नई सड़कें उनके क्षेत्र में योजना के चौथे फेस में बनाई जाएंगी। इस मौके पर जिलाध्यक्ष उदय रावत, जिला उपाध्यक्ष परमवीर पंवार, रणजीत जाखी, विजय कठैत मौजूद थे। (एजेंसी)

शराब की दुकान पर अनिवार्य रूप से चस्पा करें रेट लिस्ट

नई टिहरी : जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने आबकारी विभाग की बैठक लेते हुए शराब की दुकानों पर रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से चस्पा करने,कच्ची शराब के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाने, ओवर रेटिंग की शिकायतों का तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए। कहा कि अधिकारी निरंतर शराब की दुकानों का भी निरीक्षण करते रहें। कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में डीएम मयूर दीक्षित ने आबकारी विभाग के कार्यो की समीक्षा की।

जिला आबकारी अधिकारी लक्ष्मण सिंह नेगी ने जिले की शराब की दुकानों से लेकर राजस्व और अन्य गतिविधियों की जानकारी दी। डीएम ने विभाग के रिक्त पदों,वाहन और कर्मियों की जानकारी लेते हुए होमगार्ड से कार्मिक पूर्ति की मांग करने के निर्देश दिए। कहा कि जिन स्थानों पर अतिरिक्त कर्मियों की जरूरत है, उन स्थानों पर कार्मिक तैनात करने संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत करें।

बहादरपुर जट में दर्जाधारी ने किया महाविद्यालय का निरीक्षण

हरिद्वार। उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह चौहान ने बुधवार को राजकीय डिग्री कॉलेज बहादरपुर जट के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार के तय मानको के अनुसार निर्माण कार्य होना चाहिए। निर्माण सामग्री की गुणवत्ता का ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने भवन निर्माण के लिए सीएम धामी और पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद का आभार जताया। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य किसान मोर्चा धर्मेंद्र सिंह चौहान और ग्राम प्रधान राजेश वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार ग्राम बहादुरपुर में महाविद्यालय का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

18 मई को आयोजित होगी सहायक वन संरक्षक परीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : सहायक वन संरक्षक लॉगिंग अधिकारी एवं वन क्षेत्राधिकारी संयुक्त परीक्षा-2025 के अंतर्गत प्रारंभिक परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार) 18 मई (रविवार) को आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर परिधि में धारा-163 प्रभावी रहेगी।

उप जिला मजिस्ट्रेट रुद्रप्रयाग आशीष चंद्र घिल्डियाल ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त परीक्षा पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 1 बजे तक एकल सत्र में आयोजित की जाएगी। बताया कि जनपद के अंतर्गत परीक्षा में 436 अभ्यर्थी शामिल होंगे। जिसके लिए कुल 02 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा केंद्रों में शांति व्यवस्था, गोपनीयता व शुचिता बनाए रखने हेतु परीक्षा केंद्रों में धारा-163 प्रभावी रहेगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा की अवधि में परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर परिधि में धारा-163 के दौरान परीक्षा केंद्र के निर्धारित परिधि में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के साथ एकत्रित होने पर निषिद्ध किया जाता है। साथ ही किसी भी तरह के आग्नेयास्त्र, लाठी, डंडा, चाकू, हॉकी, स्टिक, खुखरी, तलवार अथवा कोई तेज धार वाला शस्त्र सहित पटाखे, बम व अन्य ज्वलनशील पदार्थ पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे।

छेड़छाड़ के आरोप में चंडी देवी के महंत गिरफ्तार

हरिद्वार। छेड़छाड़ के आरोप में पंजाब पुलिस ने बुधवार को चंडी देवी मंदिर के महंत रोहित गिरी को गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि महंत का गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। इसके बाद बुधवार को लुधियाना पंजाब पुलिस ने उन्हें श्यामपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। श्यामपुर एसओ नितेश शर्मा के मुताबिक रोहित गिरी पर एक महिला ने छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। महिला ने आरोप लगाया था कि एक साल पहले उन्होंने चंडी देवी के महंत रोहित गिरी ने हवन कराया था। तब महिला की जान पहचान महंत से हुई थी। आरोप है कि महिला और उसके पति के बीच विवाद चल रहा था। इसी कारण वह हरिद्वार में हवन कराने आई थी।

कैबिनेट मंत्री जोशी ने सालावाला में प्रस्तावित पुल निर्माण के संबंध में लोनिवि के अधिकारियों संग बैठक की

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज देहरादून स्थित कैंप कार्यालय में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर मसूरी विधानसभा क्षेत्र के सालावाला में प्रस्तावित पुल निर्माण के संबंध में चर्चा की। बैठक के दौरान मंत्री जोशी ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए।

कैबिनेट मंत्री ने निर्देश दिए कि पुल निर्माण कार्य प्रारंभ करने से पहले स्थानीय नागरिकों के साथ समन्वय स्थापित किया जाए, ताकि कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा या आपत्ति उत्पन्न न हो। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि निर्माण प्रक्रिया में स्थानीय लोगों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाए और सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी व्यक्ति को नुकसान न पहुंचे।

मंत्री जोशी ने अधिकारियों को प्रस्तावित पुल निर्माण स्थल का निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि पुल का निर्माण क्षेत्र की कनेक्टिविटी और विकास के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

इस अवसर लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता मुकेश परमार, अधिशासी अभियंता जितेंद्र त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने हरिद्वार कॉरिडोर, ऋषिकेश मास्टर प्लान और शारदा कॉरिडोर के सम्बन्ध में बैठक ली

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने बुधवार को सचिवालय में हरिद्वार कॉरिडोर, ऋषिकेश मास्टर प्लान और शारदा कॉरिडोर के सम्बन्ध में बैठक ली। बैठक के दौरान उत्तराखंड निवेश एवं अवसंरचना विकास बोर्ड (यूआईआईडीबी) ने उक्त विषयों पर विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया।

मुख्य सचिव ने कहा कि हरिद्वार कॉरिडोर के अंतर्गत सभी प्रोजेक्ट्स की प्राथमिकता निर्धारित की जाए। उन्होंने कहा कि जिन प्रोजेक्ट्स को शीघ्र धरातल पर उतारने की आवश्यकता है, उनको प्राथमिकता पर लेते हुए कार्य प्रारम्भ किए जाएं।

मुख्य सचिव ने कहा कि हरिद्वार एवं उसका धार्मिक महत्त्व भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में रह रहे लोगों की आस्था से जुड़ा है हरिद्वार कॉरिडोर के विकास कार्यों में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि आस्था से जुड़े क्षेत्रों एवं उनके मूल स्वरूप से किसी प्रकार की छेड़छाड़ ना हो। उन्होंने योजनाओं से जुड़े हितधारकों से लगातार संवाद किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हरिद्वार कॉरिडोर के अंतर्गत सभी प्रोजेक्ट पर बजट, कार्यदायी संस्था, उसका रखरखाव सहित समग्र प्लान शीघ्र प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने यूआईआईडीबी को प्रत्येक प्रोजेक्ट की प्रकृति को देखते हुए, उनसे सम्बन्धित विभागों को योजना में शामिल किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने हरिद्वार कॉरिडोर के प्रोजेक्ट्स पर चर्चा के दौरान ब्रह्मकुंड और महिला घाट के क्षेत्र को बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सती कुंड के पुनर्विकास कार्य में सती कुंड के ऐतिहासिक महत्त्व और उसकी थीम को बनाए रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि हरिद्वार में मल्टीलेवल पार्किंग बनाने

के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि नदी दर्शन में अवरोध न उत्पन्न हो। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों की डीपीआर तैयार हो गयी है, उन पर आगे की कार्यवाही शीघ्र शुरू की जाए।

मुख्य सचिव ने शारदा नदी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट के कार्यों की भी प्राथमिकता निर्धारित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यों की प्रकृति के अनुसार सम्बन्धित विभाग द्वारा ही कार्यों को संपन्न कराया जाए। उन्होंने वन भूमि में ईको टूरिज्म गतिविधियों को शामिल किए जाने की भी बात कही। उन्होंने यूआईआईडीबी को जिलाधिकारी चंपावत की प्राथमिकता वाले प्रोजेक्ट्स को भी शारदा कॉरिडोर में शामिल किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना में टूरिज्म सर्किट के विकास के साथ ही कनेक्टिविटी को ध्यान में रखते हुए हेलीपैड और हेलीपोर्ट के प्रावधान रखे जाएं।मुख्य सचिव ने ऋषिकेश मास्टर प्लान पर चर्चा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऋषिकेश का मोबिलिटी प्लान और पुराना रेलवे स्टेशन के आसपास प्रस्तावित कार्यों को समग्र रूप से तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि चंद्रभागा नदी के पुनर्जीवीकरण के लिए हाईड्रोलॉजी सर्वे कराया जाए।

मुख्य सचिव ने सभी प्रोजेक्ट्स की प्राथमिकता निर्धारित करते हुए नितांत आवश्यक कार्यों को तत्काल शुरू कराए जाने के निर्देश दिए।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com